दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-294
मुरादाबाद
15 February 2025
(Saturday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी के सामने भारत–चीन सीमा विवाद पर भी बोले ट्रंप; विदेश मंत्रालय ने दिया दो टूक जवाब

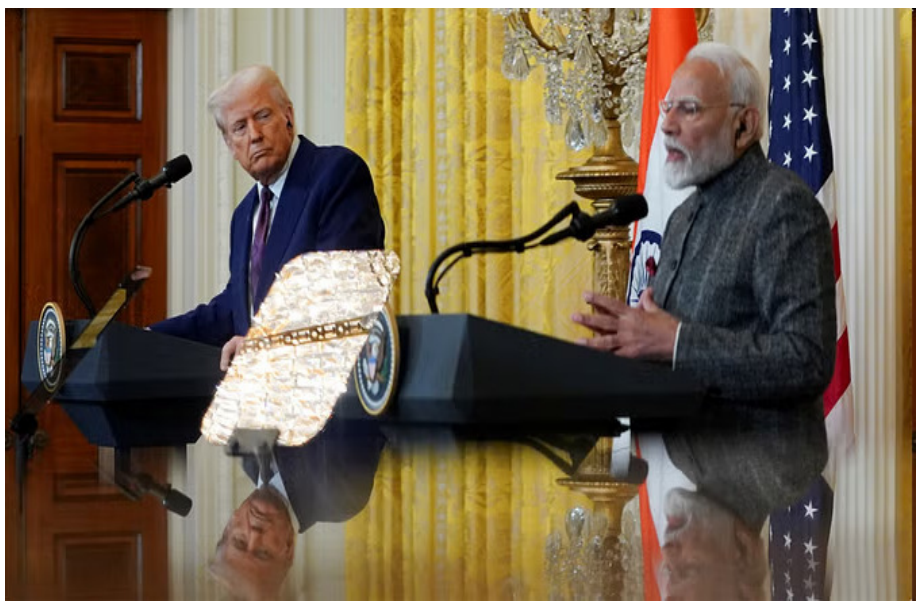

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से व्हाइट हाउस में पीएम मोदी के साथ प्रेसवार्ता के दौरान भारत-चीन सीमा विवाद को सुलझाने के लिए मदद की पेशकश की गई थी। हालांकि, भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति की पेशकश को विनम्रता से ठुकरा दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को सुलझाने में मदद की पेशकश की है। लेकिन भारत ने साफ कर दिया कि वह अपने पड़ोसी देशों के साथ किसी भी मुद्दे को द्विपक्षीय तरीके से ही सुलझाएगा। दरअसल, व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा,

मैं भारत को देखता हूं, वहां सीमा पर झड़पें हो रही हैं, जो काफी हिंसक हैं। अगर मैं किसी भी तरह से मदद कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी, क्योंकि इसे रोका जाना चाहिए। अमेरिका-चीन के रिश्ते पर भी बोले ट्रंप- इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और चीन के रिश्तों पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध होंगे। मेरी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अच्छी बनती थी, जब तक कि कोविड नहीं आया... चीन दुनिया में एक बहुत महत्वपूर्ण देश है। ट्रंप की पेशकश पर भारत ने दिया जवाब-भारत की तरफ से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस पेशकश को विनम्रता से ठुकरा दिया। इस पर बोलते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने स्पष्ट किया कि भारत अपने सभी मुद्दों को सीधे बातचीत के जरिए हल करता है। उन्होंने कहा, हमारे पड़ोसी देशों के साथ जो भी मुद्दे हैं,

उन्हें हल करने के लिए हमने हमेशा द्विपक्षीय तरीका अपनाया है। क्या है भारत-चीन सीमा विवाद?-बता दें कि, भारत और चीन के बीच सीमा विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। साल 2020 में गलवान घाटी में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

हालांकि, कई दौर की सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के बावजूद यह विवाद पूरी तरह सुलझ नहीं पाया है।

भारत हमेशा से इस विवाद को बातचीत के जरिए हल करने का पक्षधर रहा है और किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता।

पीएम मोदी ने पुलवामा हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि; शाह ने भी किया नमन

पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाते हुए हमला किया था जिसमें 40 जवान शहीद हो गए थे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2019 के पुलवामा हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण को कभी नहीं भूलेंगी। 2019 में आज के ही दिन आतंकियों ने पुलवामा में बड़े हमले को अंजाम दिया था, जिसमें देश के 40 जवान शहीद हो गए थे।बलिदान और समर्पण को कभी नहीं भूलेंगे प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 2019 में पुलवामा में हमने जिन साहसी नायकों को खोया, उन्हें श्रद्धांजलि। आने वाली पीढ़ियां उनके बलिदान और राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण को कभी नहीं भूलेंगीअमित शाह ने भी जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की-केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हमले में शहीद सीआरपीएफ के 40 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार आतंकवादियों के समूल नाश के लिए कृतसंकल्पित है। सरकार ने आतंकवाद को 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, %मैं 2019 में आज के दिन पुलवामा में हुए कायराना आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों को कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।% समूल नाश के लिए प्रतिबद्ध-गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और पूरा विश्व इसके खिलाफ एकजुट है। शाह ने कहा कि चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो या एयर स्ट्राइक मोदी सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के साथ उनके समूल नाश के लिए प्रतिबद्ध है। 40 जवान शहीद हो गए थे- पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को ले जा रही एक बस को निशाना बनाते हुए हमला किया था जिसमें 40 जवान शहीद हो गए थे। इसके कुछ दिनों बाद भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के अंदर में आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर बमबारी कर बदला लिया था।

संक्षिप्त समाचार

धनखड़ बोले-जस्टिस यादव पर महाभियोग का नोटिस सुप्रीम कोर्ट से साझा करें, 55 सांसदों ने दिया था नोटिस

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस विषय-वस्तु का अधिकार क्षेत्र सांविधानिक रूप से राज्यसभा के सभापति, राष्ट्रपति व संसद के पास है। सार्वजनिक सूचना के मद्देनजर यह उचित है कि राज्यसभा के महासचिव इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट के महासचिव के साथ साझा करें।मुसलमानों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने से पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने नोटिस को सुप्रीम कोर्ट के महासचिव के साथ साझा करने का निर्देश दिया है। धनखड़ ने स्पष्ट किया कि प्रक्रिया सांविधानिक रूप से संसद के अधीन है। इसके बाद, जस्टिस यादव के खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की जा सकती है।सभापति धनखड़ ने प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के नोटिस पर व्यवस्था देते हुए कहा, उन्हें 13 दिसंबर, 2024 को महाभियोग प्रस्ताव के लिए बिना तारीख वाला नोटिस मिला है। विपक्षी सांसदों ने नोटिस में संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत जस्टिस यादव को पद से हटाने की मांग की है। सभापति धनखड़ ने कहा, इस विषय-वस्तु का अधिकार क्षेत्र सांविधानिक रूप से राज्यसभा के सभापति, राष्ट्रपति व संसद के पास है। सार्वजनिक सूचना के मद्देनजर यह उचित है कि राज्यसभा के महासचिव इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट के महासचिव के साथ साझा करें।

रक्षामंत्री राजनाथ ने योगी–गडकरी का कराया विशेष सम्मान, बोले– एक मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाएं

लखनऊ में शुक्रवार को 588 करोड़ की 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया गया। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में एक महीने में 50 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं।इस आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन लाख करोड़ का लाभ होगा।रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में और यूपी में जो भी विकास हो पाया है उसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का ही योगदान है। यही कारण है कि आज लखनऊ सहित पूरे प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट लग रहे हैं। रक्षामंत्री ने उनके योगदान के लिए वहां पर मौजूद नेता और कार्यकर्ताओं से खड़े होकर एक मिनट तक तालियां बजाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सड़क परिवहन मंत्री द्वारा लखनऊ के लिए स्वीकृत किए गए प्रोजेक्ट का उल्लेख किया।इसके पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ 13 जनवरी को प्रारंभ हुआ था। आज एक महीने बाद महाकुंभ में अब तक 50 करोड़ लोगों ने डुबकी लगाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश दिया है। यह नया उत्तर प्रदेश है जो कि इंफ्रास्ट्रक्चर और महाकुंभ के जरिये विकास का संदेश दे रहा है। महाकुंभ के बहाने लोगों को दबी हुई धार्मिक भावनाओं को अभिव्यक्त करने का मौका दिया। महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को करीब तीन लाख करोड़ रुपये का लाभ होगा।मुख्यमंत्री योगी लखनऊ में आज 588 करोड़ रुपये की 114 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सहित भाजपा के कई नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने यूपी में रामराज्य स्थापित करने में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि हमें अगर हमारे देश को विश्वगुरु बनाना है तो इंफ्रास्ट्रक्चर पर खास ध्यान देना होगा बिना इसके कोई भी प्रदेश विकास नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापारी उन्हीं प्रदेशों में निवेश करता है जहां सड़कें अच्छी हों। कानून व्यवस्था अच्छी हो और उनकी लॉजिस्टिक की कीमत कम हो। जब लॉजिस्टिक की कीमत कम होगी तो प्रदेश में निवेश होगा। अमेरिका और चीन के मुकाबले भारत में लॉजिस्टिक की कीमत काफी ज्यादा है। हमारी कोशिश है कि यह सिंगल डिजिट में आए जिससे कि देश-प्रदेश में निवेश बढ़े।

काशी दौरे पर पहुंचे सपा प्रमुख अखिलेश यादव, महाकुंभ में भगदड़ को लेकर कही बड़ी बात

वाराणसी पहुंचे अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि महाकुंभ की तैयारी को पूदे देश को दिखाया जा रहा, लेकिन भगदड़ में हुई मौतों का आंकड़ा नहीं बताया जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को वाराणसी दौरे पर पहुंचे। लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महाकुंभ की तैयारी को देश- दुनिया को दिखाना चाहती है, लेकिन वह यह नहीं बताना चाहती कि कुंभ में जो भगदड़ हुई थी उसमें वास्तविक रूप से कितने लोगों की मृत्यु हुई थी और भगदड़ का कारण क्या था। उन्होंने कहा कि कुंभ में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का खर्च करने की बात कही जा रही है, लेकिन कुंभ में पैसा कहां गया और उसकी तैयारी क्या की गई यह बताने की जरूरत नहीं समझी जा रही है।सपा मुखिया ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका गए हैं, यह काफी अच्छी बात है, लेकिन इससे अच्छी बात तब होगी जब अमेरिका का व्यापार भारत में आएगा। अमेरिका के हाथों में हमारा बाजार ना चला जाए, इसको भी देखना पड़ेगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि आपके पैसे की कीमत नहीं बची हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये का ग्राफ लगातार नीचे गिरता जा रहा है।

तीन दिन की राहत के बाद फिर जाम की चपेट में आया शहर, नैनी में पांच किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार

तीन दिन राहत के बाद शुक्रवार को शहर फिर जाम की चपेट में आ गया।

शहर के बालसन, एएन झा मार्ग सहित नया यमुना ब्रिज के लेकर सेंट्रल जेल नैनी तक लंबा जाम लगा हुआ है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जाम को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। सीएम ने अधिकारियों से सड़क पर उतरकर जाम से निपटने का निर्देश जारी किया है।तीन दिन राहत के बाद शुक्रवार को शहर फिर जाम की चपेट में आ गया। शहर के बालसन, एएन झा मार्ग सहित नया यमुना ब्रिज से लेकर सेंट्रल जेल नैनी तक लंबा जाम लगा हुआ है। दोपहर 12 बजे मिर्जापुर रोड पर पांच किलोमीटर लंबा जाम रहा। वाहन रेंगते नजर आए। डेढ़ किलोमीटर लंबा नया यमुना ब्रिज पार करने में दो घंटे से अधिक समय लग जा रहा है। माघी पूर्णिमा बीतने के बाद उम्मीद थी कि भीड़ का दबाव कम होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लगातार भीड़ बढ़ने के बाद शहर फिर जाम की चपेट में आग गया है।

सिविल लाइंस से मेला क्षेत्र जाने वाले मार्ग पर कई जगह जाम की स्थिति बनी है। इसी तरह झूंसी, नैनी और फाफामऊ इलाके में कई किलोमीटर जाम लगा हुआ है। स्थिति यह है कि पार्किंग में वाहन खड़ा करने का स्थान भी कम बचा है।

कई घंटे तक वाहनों के रेंगने के चलते उसमें बैठे श्रद्धालुओं की हालत खस्ता हो गई है। महाकुंभ में जाम को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अख्तियार है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह स्वयं सड़क पर उतरें और व्यवस्था को संभालें। कहा कि प्रयागराज महाकुंभ नगर, प्रयागराज जनपद, अयोध्या वाराणसी और आसपास के सभी जिलों में कहीं भी सड़क पर जाम ना लगे। हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। जहां जाम होगा वहां के अधिकारियों के जवाबदेही तय होगी।

शहर की ओर से मेले में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्ग पुराने हर्षवर्धन चौराहे के पास अलोपीबाग चुंकी पुल के नीचे वाहनों की लंबी कतार लगी है। जाम में चपेट में आने से लोगों को संगम पहुंचने में कई घंटे लग रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के सिपाही तैनात हैं लेकिन वाहनों के भारी दबाव के आगे वह बेबस दिख रहे हैं। दूसरे प्रदेशों बिहार, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र से प्रयागराज पहुंचकर श्रद्धालु जाम में घंटों फंस जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के रीवां से आए विक्रम प्रसाद ने बताया कि वह सुबह छह ही नैनी स्टेशन पर पहुंच गए थे, लेकिन दोपहर 12 बजे तक संगम नहीं पहुंच पाए हैं। जितना देर रीवां से प्रयागराज आने में लगा उससे ज्यादा समय नैनी से संगम पहुंचने में लग रहा है।

संपादकीय Editorial

Now towards UPS

If these questions are raised in the court of the unemployed and in the afternoon of the society, then the meaning of the content will be understood better. Now if the boats start getting scared of the clouds in the protection of the economic breath of the state, then alternatives will have to be found from the depths of the ocean. In such a situation, the statement of Public Works Minister Vikramaditya is doing Shirshasana, that is, the political ground that was discovered from the NPS blast to the wonder of OPS, now it is not easy to cross the economic desert there. Now when the Center also felt the political heat of OPS, there too the vehicle of NPS came and stood near the Unified Pension Scheme. The Central Government has presented the option of UPS to the government employees, and has set it up in partnership with NPS and OPS. Under UPS, employees will get 50 percent pension of the last salary, besides dearness allowance and other facilities. The scheme has been considered effective from January 24. UPS is trying to bid goodbye to the 21 year old NPS and to drive away the ghost of OPS. Under this, 60% of the pension will be paid as family pension even on the death of the employee and a minimum pension of 10 thousand rupees has been ensured for at least 10 years of service. For a state like Himachal, the burden of OPS has started to frighten in a monstrous form because the Center has suppressed 9600 crores of NPS and there is no other way left except to increase the holes in the loan system. By turning to UPS, the state will immediately receive 1600 crores, while the advocacy of taking back the stuck money of NPS can also get a new logic and goodwill. There is pressure to allow the central proposal because the financial bill of the state will be lost in the den of OPS. This solution is becoming the need of the hour, when the present government of Himachal is facing difficulty in getting its economic and financial rights from the Center. It is a different matter that the government will have to change its previous stand and guarantees on the UPS proposal, but this option is a new breath for the state's economic health. Sukhu government needs to take many decisions immediately under economic pressure. All these cuts can be against political traditions and even against previous promises. If the electricity workers are wearing black badges, then this anger is a warning of the reality of the state. Employees alone are not the property of the state, but the sources of the food cooked on the stoves of the society are not only government jobs. If we include government employees and all pensioners, then this beneficial family is of only four and a half lakh people. In contrast, if we evaluate the employment generated in private businesses, self-employment and private sector, then about twenty-five lakh people are earning their daily bread with their hard work. In such a situation, throw the state in a puddle of government jobs or invest money in such investment and infrastructure construction, which creates maximum employment opportunities in the private sector. However, the government wants to improve the working style of the electricity board by rationalizing the surplus employees. The abolition of about six to seven hundred posts means only the cutting down of the employee empire or solving the financial challenges of the board by removing the salary and other allowances of so many posts from the deficit. Rationalization of employees of many boards and corporations in the midst of unnecessary expenses can give strength to such appointments which have some accountability. If the deficit of the transport corporation along with the electricity board is also covered by removing the unnecessary number of depots and the unnecessary.

The challenge of AI, the world of rapidly changing technology

Many tasks that humans do can be done through AI, but it should be kept in mind that it does not have human sensibilities and it reaches a conclusion based on the available data. Now if the data itself is not accurate, the results can also be harmful. It is the need of the hour to take measures that prove this fear to be baseless. At the Artificial Intelligence Summit held in Paris, the Indian Prime Minister rightly said that this technology has the power to change the world, but it is also necessary that a global framework be created regarding its use. This should be done because the dangers of misuse of AI are not hidden from anyone. Right now the use of AI is in its initial stage, but many challenges arising from it have raised their head. Some companies developing this advanced technology are also seen operating it according to their own wishes. The international community will have to create an effective mechanism to prevent arbitrary use of this technology, because some big technology companies of America have established their monopoly in the information world. It is becoming difficult for all the countries of the world to deal with their monopoly and their arbitrariness. If AI companies also establish a similar monopoly, then the problem will become serious. The biggest problem will be faced by developing and poor countries, which are already facing the dominance of select technology companies. Any technology becomes an opportunity only when it is used in a fair manner and the apprehensions of its misuse are effectively curbed. In the case of AI, this will have to be done compulsorily because it has the potential to affect human life in a deep way. AI is a new technology and many people are unfamiliar with the ways of using it. That is why the fear has emerged that it may cause an employment crisis. No doubt, new technology becomes an opportunity, but only for those who become familiar with it. It is natural that India is looking at AI as an opportunity for itself, but it should be understood that a lot needs to be done to take proper advantage of it. Many tasks that humans do can be done through AI, but it should be kept in mind that it does not have human emotions and it reaches a conclusion based on the available data. Now if the data itself is not accurate, then the results can also be harmful. It is not surprising that highly advanced AI is also being seen as a crisis for human civilization. Taking measures that prove this fear to be baseless is the need of the hour. It is true that at the Paris Summit, there were signs of increasing harmony between India and major countries in the field of AI, but it will matter only when this platform becomes the foundation for establishing consensus for the regulation of AI.

AAP's existence in crisis, the party faces a lot of challenges

In the Lok Sabha elections, it seemed that PM Modi's popularity and acceptance has decreased, but Haryana was the first to refute this trend, while the Maharashtra elections once again confirmed that there is no alternative to Modi. If the entire Delhi election was fought on his guarantee, then this miraculous success will also go to Modi's account. This victory will further strengthen BJP's position in the NDA. BJP's exile of about 27 years from power in Delhi has ended and the party is going to form the government in the national capital with an absolute majority. There are many reasons why BJP's victory in a small state is being considered so big. Till a month ago, it seemed impossible to defeat Aam Aadmi Party i.e. AAP in Delhi, because the party had been winning with a huge majority in two consecutive assembly elections. In the last assembly election itself, AAP had got about 55 percent votes and 62 percent seats. In such a situation, it was believed that even if there was some discontent against it, the party would still reach the majority figure, but in the last three weeks, BJP changed the direction of the election wind and toppled AAP. AAP came into existence from the campaign against corruption, and BJP made this aspect the sore spot of AAP. BJP openly capitalized on the issue of corruption and imprisonment of top AAP leaders, from Sheeshmahal to AAP. Apart from this, issues like condition of roads, transport system, water supply and infrastructure were also raised. BJP assured the public that the schemes of the AAP government related to free electricity, water and transport would not only be continued, but they would be made more effective. The big tax relief given to the middle class in the budget also made BJP's work easier. The remaining gap was filled by AAP's complaining tone that due to the central government, they have to face problems in running the government. This created a fear in the minds of the public that handing over the keys of power to AAP would mean that the doors of governance in Delhi would not be opened easily. For AAP, which was in pole position before the elections, the defeat in Delhi is going to shake its roots. Even though the party has secured more than 40 percent votes, the defeat of stalwarts like Arvind Kejriwal, Manish Sisodia, Satyendra Jain, Saurabh Bhardwaj and Somnath Bharti is going to hurt deeply.

This shows how widespread public anger was against the party. The defeat of the stalwarts has put the party's existence in danger. Apart from Delhi, AAP, which is in power in Punjab, may have to face new difficulties there too. Apart from this, there will also be the challenge of stopping the exodus of leaders. Since AAP does not have any core ideology, it does not have any major basis to save its existence. The party was trying to establish its roots in other states like Gujarat and Goa through the 'Delhi Model'. These efforts will now suffer a major setback. Elections are also to be held in Punjab after two years and the government there has no notable achievement. It has already suffered a major setback there in the Lok Sabha elections. During the Delhi elections, there was a lot of tussle in the opposition parties' front INDI. AAP and Congress, who fought the Lok Sabha elections together, fought the assembly elections separately. It is being said that AAP lost about a dozen seats because of Congress. However, the other aspect of this could also be that if AAP and Congress had fought together, then all the votes going against the state government would have gone to the BJP's account. Apart from these ifs and buts, even before the elections, AAP had threatened Congress that it would expel it from the opposition alliance. From SP and Trinamool to the remaining Shiv Sena and NCP, despite not having any mass base of their own in Delhi, supported AAP in the elections. Akhilesh Yadav even campaigned with Arvind Kejriwal.

This did not do any good to AAP, on the contrary, the cracks within INDI were exposed. This election proved to be a big setback for Congress as well. The party, which has been in power in the state for three consecutive times, has not been able to open its account in the last three assembly elections. The party may have hoped that the defeat of AAP would open doors of new possibilities for it, but the election results were disappointing. Despite a slight increase in the vote percentage, only three of its 70 candidates were able to save their deposits. The hope of a makeover of the Congress in the Lok Sabha elections is being shattered by one election after another. After the massive defeat in Haryana and Maharashtra after the Lok Sabha elections, and its clean sweep in Delhi, the party has come to the same point where it was before the 2024 general elections. It is natural that the position of the Congress will be weak in the coming elections and it will have to face tough bargaining with its allies. On the contrary, the BJP is continuously maintaining its lead. In the Lok Sabha elections, it seemed that PM Modi's popularity and acceptability had decreased, but Haryana was the first to disprove this trend, while the Maharashtra elections confirmed afresh that there is no alternative to Modi. If the entire Delhi election was fought on his guarantee, then this miraculous success will also go to Modi's account. This victory will further strengthen the position of the BJP in the NDA. The results of Delhi have also proved that elections cannot be won only by giving freebies. After the defeat of BRS in Telangana and YSR Congress in Andhra, now the defeat of AAP in Delhi has shown that apart from freebies, more efforts have to be made to woo the public. The message for the opposition front is that neither electoral victory nor public trust can be won by merely opposing Modi and BJP.

मैं तुम्हारा दिल नहीं जीत सका, अब जा रहा हूं...युवक ने फंदे से लटककर दी जान

मुरादाबाद- वैलेंटाइन डे से एक दिन पहले गुरुवार रात में कटघर थाना क्षेत्र में एक युवक ने आत्महत्या कर ली। सुसाइड करने से पहले युवक ने वीडियो भी बनाया। वीडियो में युवक कह रहा है कि मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन मैं अपने बीवी बच्चों को दिल नहीं जीत सका। मरने से पहले बनाए वीडियो में युवक ने आत्महत्या के लिए अपनी पत्नी नीलम और कुछ रिश्तेदारों को ज़िम्मेदार बताया है। युवक ने कहा कि मैं तुम्हारा दिल नहीं जीत सका, अब जा रहा हूं.. तुम खुश रहना।थाना कटघर क्षेत्र में आंबेडकर नगर में रहने वाले संदीप कुमार का शव देर रात फंदे से लटका मिला। मरने से पहले युवक ने एक वीडियो बनाया जो उसके मोबाइल में मिला है। संदीप कुमार (36 साल) के परिवार में पत्नी नीलम के अलावा दो बेटियां किट्टू (10 साल) और अन्नी (5 साल) हैं। नीलम से उसकी शादी 15 साल पहले हुई थी। लेकिन पति पत्नी के बीच अक्सर अनबन रहती थी। संदीप कुमार की ससुराल दलपतपुर के पास वीरपुर गांव की है। संदीप एक स्कूल की वैन चलाता था और समोसे का ठेला भी लगाता था। संदीप के परिजनों का आरोप है कि उसकी पत्नी नीलम जतिन नाम के लड़के से बात करती थी। उसने पत्नी के फोन में उसकी चैटिंग भी देख ली थी। इसी बात को लेकर दंपती में झगड़ा होता था। परिजनों का कहना है कि ससुराल वालों ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। वहां से लौटने के बाद ही गुरुवार रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। युवक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है।

127 करोड़ रुपये लागत के स्मार्ट रोड नेटवर्क कार्य में अतिक्रमण हटाकर कार्य को पूरा कराने में जुटे स्मार्ट सिटी के अधिकारी

मुरादाबाद-स्मार्ट सिटी लिमिटेड के 127 करोड़ रुपये लागत की स्मार्ट रोड नेटवर्क का काम 15 दिन में पूरा कराने में अधिकारी जुटे हैं। इसके पूरा होने से बुध बाजार, जीएमडी रोड, हैलेट रोड पर स्मार्ट रोड सड़कों का जाल बिछ जाएगा।स्मार्ट सिटी लिमिटेड की 37 में से 32 परियोजनाओं के पूरा होने के बाद शेष लंबित कराने में स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को पूरा हैं। जो पांच परियोजनाएं लिमिटेड के अधिकारी लगे हृदयस्थली बुध बाजार, लंबित हैं उनमें महानगर की स्मार्ट रोड नेटवर्क व जीएमडी, हैलेट रोड पर मार्केट एरिया महत्वपूर्ण रेट्रोफिटिंग ऑफ ओल्ड क्षेत्रों में 127 करोड़ रुपये प्रोजेक्ट भी शामिल है। इन का काम प्रमुख है। इसके लागत का स्मार्ट रोड नेटवर्क अतिक्रमण को हटाने के पूरा होने में अड़चन बन रही मंडलायुक्त व नगर आयुक्त लिए पिछले दिनों ने निर्देश दिया था। वहीं स्मार्ट सिटी लिमिटेड के निदेशक मंडल की बैठक में भी लंबित परियोजनाओं को 31 मार्च तक पूरा कराने की आखिरी डेडलाइन तय कर दी गई है। इसे देखते हुए स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारी भी लग गए हैं। टाउनहाल, जीएमडी रोड पर सड़क की पटरियों को रेहड़ी पटरी वालों से भी खाली कराया जा रहा है। विधानसभा उप चुनाव के बाद अधिकारी लंबित कार्यों को पूरा कराने में लगे हैं। वहीं पुराने बाजारों के सौंदर्यीकरण के काम में भी तेजी आ गई है। बुध बाजार व इम्पीरियल क्षेत्र में यह कार्य पूरा हो चुका है। इन दोनों परियोजनाओं के पूरा होने के बाद केवल तीन और परियोजना अधूरी रह जाएगी। 31 मार्च तक उसे भी पूरा करने की डेडलाइन तय है। स्मार्ट सिटी लिमिटेड के महाप्रबंधक तकनीकी अनिल कुमार मित्तल का कहना है कि स्मार्ट रोड नेटवर्क और रेट्रोफिटिंग आफ ओल्ड मार्केट एरिया का कार्य 15 दिन में फरवरी के अंत तक पूरा करा दिया जाएगा। शेष परियोजना भी जल्द पूरी हो जाएगी।

शब-ए-बरात...मस्जिदों में की इबादत, गुनाहों से मांगी माफी....अपनों की कब्रों पर जाकर पढ़ी फातिहा

मुरादाबाद- शब-ए-बरात पर मुसलमानों पूरी रात जागकर इबादत की और कब्रिस्तान जाकर अपनों की कब्र पर फातिहा पढ़ी। पूरी रात मस्जिदों में मुसलमानों ने अल्लाह की बारगाह में अपने गुनाहों की माफी मांगी। मुस्लिम समाज में शब-ए-बरात की रात बड़ी अहम और इबादत की रात मानी जाती हैं। इस रात मुसलमान पूरी रात मस्जिदों में इबादत कर अपने गुनाहों की अल्लाह से माफी मांगते हैं। वहीं कब्रिस्तान जाकर अपने बुजुर्गों की कब्रों पर फातिहा पढ़कर उनके लिए दुआएं मगफिरत करते हैं। जिसके चलजे गुरुवार की सुबह से ही महानगर से लेकर देहात इलाकों में शब-ए-बरात की तैयारी की गई। शाम होते ही मुसलमानों ने मस्जिदों का रुख किया। सभी ने रात में ईशा की नमाज अदा की। जिसके बाद कब्रिस्तान जाकर अपने बुजुर्गों की कब्र पर फातिहा पढ़ी। कब्रिस्तान में हाजरी के बाद सभी मुसलमान पूरी रात जागे और मस्जिदों में नफल और इबादत की। इस दौरान मुसलमानों ने अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगी और मगफिरत की दुआ की। देर रात में महानगर की जामा मस्जिद व कचहरी वाली मस्जिद समेत महानगर की अन्य मस्जिदों में सामूहिक दुआ हुई। जिसमें लोगों ने रो-रोकर दुआ की। नायब शहर इमाम मुफ्ती फहद अली ने बताया कि शब-ए-बरात की पूरी अल्लाह की रहमत बरसती है। अलगे दिन रोजा रखने पर बड़ा सवाब मिलता है। इबादत कर रखा नफली रोजा- शब-ए-बरात पर पूरी रात इबादत करने के बाद नफली रोजा रखा जाता है। जिसके तहत गुरुवार को पूरी रात जागने के बाद मुसलमानों ने इबादत कर 5 बजकर 20 मिनट पर सहरी खाकर रोजा रखा। जिसके बाद फर्ज की नमाज अदा की। शुक्रवार शाम को मगरिब की अजान पर रोजा खोला जाएगा। जगह-जगह हुआ जलसों का आयोजन- र सुबह से ही शहर व देहात इलाकों में इबादत वाली रात शब-ए-बरात के लिए जलसों के आयोजन की तैयारियां शुरू कर ली गई थी। रात में महानगर के मुगलपुरा, करुला, चक्कर की मिलक, मोहल्ला किसरोल, प्रिंस रोड, ईदगाह का मैदान और अन्य स्थानों पर दीनी जलसों का आयोजन हुआ। जिसमें उलमाओं ने मुसलमानों से नबी के बताए रास्ते पर चलने की अपील की।

गोदाम में लगी आग से चार किलोमीटर दूर तक दिख रहे थे धुएं के गुबार

मुरादाबाद- पंडित नगला बाईपास पर स्थित पानी की टंकी और पाइप गोदाम में लगी आग से उठ रहे धुएं के आसमान छूते गुबार 4-5 किलोमीटर दूर से ही दिखाई पड़ रहे थे। आग पर काबू पाने के लिए बाईपास पर यातायात को रोक दिया गया और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा चुका। डीएम और एसएसपी समेत आला प्रशासनिक अफसर मौके पर डटे रहे। हादसे में लोगों के झुलसने की आशंका में सीएमओ के साथ ही डॉक्टरों की टीमें और एंबुलेंस को भी मौके पर तैनात रखा गया।कटघर थाना क्षेत्र के पंडित नगला बाईपास पर स्थित पानी की टंकी और पाइप गोदाम में लगी आग इतनी विकराल थी कि गहरा काला धुआं 4-5 किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। आग पर काबू पाने के लिए मुरादाबाद के अलावा अमरोहा और रामपुर से एक दर्जन दमकल गाड़ियों को लगाया गया। पुलिस और प्रशासन ने गोदाम के आसपास के 50 मीटर में स्थित 100 से अधिक घरों को खाली करा लिया। पुलिस ने आसपास के इलाके को खाली करने के लिए अनाउंसमेंट भी किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोदाम के आसपास के दो-तीन घर भी आग की चपेट में आ गए हैं, लेकिन इन घरों में रहने वालों को सुरक्षित निकाल लिया गया। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि आग पर काफी हद तक काबू पाया जा चुका है। एक कर्मचारी और एक चौकीदार अंदर फंसे थे, उन्हें निकाल लिया गया है। इस आग से कोई झुलसा नहीं है। सब सुरक्षित हैं। एहतियात के तौर पर आसपास के घर खाली करवाए हैं। अग्निकांड में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग को फैलने से रोकने के लिए पूरे इलाके में ड्रोन से निगरानी कराई जा रही है। छतों से पानी की बौछार कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है, लेकिन हादसे के अन्य पहलुओं पर भी जांच कराई जा रही है। आग में मेरी जिंदगी भर की कमाई स्वाहा हुई - सचिन पाइप गोदाम के गोदाम में आग लगने की सूचना पर मालिक बुधबाजार सचिन मित्तल भी मौके पर पहुंच गए। सचिन से जब से आग से हुए नुकसान के बारे में जानने की कोशिश की गई तो वह फफक पड़े। कहने लगे कि मेरी जिंदगी भर की कमाई आग में जलकर राख हो गई। इस दौरान साथ में मौजूद उनके साथी ने सचिन को सहारा देने की कोशिश की तो वह और सुबकने लगे। मेरा भाई अंदर फंसा है, उसे बचा लीजिए प्लीज ... प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग बचाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान महिला जो अपने को वंदना शर्मा बता रही थी वह अग्निशमन कर्मियों के पास पहुंची। वह बार-बार गोदाम के अंदर जाने की बात कह रही है। उसने अग्निशमन कर्मियों को बताया कि उसका भाई अखिल श्रोत्रिय गोदाम में अकाउंटेंट है। वह गोदाम में फंसा हुआ और उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला के बार-बार चीखने और रोता देखकर दमकल कर्मियों ने नए सिरे से गोदाम को सर्च किया। इसके बाद अखिल को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घना इलाका होने से छतों से पानी डाला- चूंकि, यह गोदाम रिहायशी इलाके में बना हुआ था, इसलिए अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने आस-पास के घरों की छत पर चढ़कर पानी की बौछार डालना शुरू किया। ड्रोन से भी लगातार मानिटरिंग की गई। अधिकारियों ने बताया कि अंदर प्लास्टिक का सामान भरा हुआ है, इसलिए बार-बार आग भड़क रही थी। हालांकि, अब काफी हद तक आग पर काबू पा लिया गया है। काले घने धुएं के गुबार से सांस लेना हुआ मुश्किल- गोदाम के अंदर प्लास्टिक के आइटम की स्टोरेज थी। आग से जलने की वजह से एक किलोमीटर तक के क्षेत्र में सांस लेना मुश्किल होने लगा। प्लास्टिक जलने से पूरे क्षेत्र में गैस फैल गई। हर तरफ धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा था, इसलिए लोगों को लोगों घरों से बाहर निकाला। महिला-बच्चों को खासतौर पर घरों से बाहर खुले स्थान में सुरक्षित खड़ा किया गया। इस दौरान डीएम और एसएसपी माइक लेकर लोगों को सुरक्षित रखने के लिए अनाउंसमेंट करते रहे। ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ अग्निशमन कर्मी गोदाम के अंदर भेजे- पानी की टंकी और पाइप गोदाम में लगी आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन कर्मियों को ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ अंदर आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया। दमकल कर्मियों ने पहले गोदाम की दीवार को जेसीबी की मदद से तोड़ा, इसके बाद काले-घने जहरीले धुएं के बीच ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ गोदाम में प्रवेश किए। फायर सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि आग बुझाने के लिए करीब 26 दमकल कर्मी लगे रहे। आग पर काबू पाने के लिए संभल और अमरोहा से भी दमकल टीमें बुलाई गईं। इसके साथ ही एक्सपोर्ट कंपनियों के निजी फायर टेंडर्स को भी आग पर काबू पाने के लिए इस्तेमाल किया गया। पानी की टंकी व पाइप गोदाम में आग लगने के मामले में कोई जनहानि नहीं है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य, पुलिस व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को पहुंचने का निर्देश दिया था। मैं स्वयं मौके पर रहकर आग बुझाने व किसी भी प्रकार के अन्य नुकसान की पल-पल निगरानी करता रहा। आग पर काबू पा लिया गया है। अग्निशमन दल की टीम गोदाम में अंदर तक पहुंच गई है। पूरी स्थिति पर नजर है। जहां तक गोदाम मालिक के द्वारा फायर एनओसी लेने का सवाल है इस बारे में अग्निशमन विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेंगे। - अनुज सिंह, जिलाधिकारी

संक्षिप्त समाचार

आखिरकार क्यों छोड़ गए घर: संभल हिंसा के बाद से 500 से अधिक घरों पर लटके ताले, पुलिस सवालों के तलाश रही जवाब

मुरादाबाद-संभल बवाल के बाद कोटगर्वी, नखासा तिराहा और हिंदूपुरा खेड़ा के 500 से ज्यादा घरों में ताले लगे हैं। पुलिस मकान छोड़ने वाले लोगों की जानकारी जुटा रही है। एसपी ने निर्दोषों को लौटने की अपील की है, जबकि उपद्रवियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी है। संभल में 24 नवंबर 2024 को हुए बवाल के बाद कोटगर्वी, नखासा तिराहा और हिंदूपुरा खेड़ा इलाके में 500 से अधिक मकान ऐसे हैं, जहां ताले लगे हैं। इन मकानो के मालिकों की जानकारी पुलिस जुटाने में लगी है। पूछताछ की जा रही है कि इन लोगों ने घर क्यों छोड़ा है। वहीं दूसरी ओर इसमें काफी परिवार ऐसे भी हैं जो डरकर मकान छोड़ गए हैं। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई का कहना है कि जिनकी भूमिका बवाल में नहीं है, वह डरें नहीं, अपने मकानों में आकर रहें।कोई उन्हें बेवजह परेशान नहीं कर सकता है। जो बवाल में शामिल थे, वह खुद ही आत्मसमर्पण कर दें। बवाल में शामिल किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा। जामा मस्जिद सर्वे के दौरान 24 नवंबर की सुबह जामा मस्जिद के पास बवाल शुरू हुआ था। इसमें पांच लोगों की जान चली गई थी, जबकि 29 पुलिसकर्मी चोटिल हुए थे। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने बवाल पर काबू पाया था। इस दौरान उपद्रवियों ने नखासा तिराहा और हिंदूपुरा खेड़ा में पुलिस पर हमला किया था।फायरिंग, पत्थरबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ उपद्रवियों ने की थी। पुलिस ने उपद्रवियों की धरपकड़ शुरू की तो तमाम लोग अपने मकानों में ताले लगाकर दूसरे जिले व प्रदेश के लिए चले गए। बवाल को हुए करीब ढाई महीने बीत गए हैं, लेकिन अभी भी सभी परिवार नहीं लौटे हैं। ऐसे में पुलिस को भी आशंका है कि जो परिवार नहीं लौटे हैं, वह कहीं बवाल में तो शामिल नहीं थे।हालांकि इन इलाके के लोगों का कहना है कि काफी परिवार डरकर मकानों में ताले लगा गए हैं। कुछ उन लोगों ने भी मकानों में ताले लगा रखे हैं, जिनकी भूमिका बवाल में थी। पुलिस पूछताछ कर रही है कि बवाल के बाद मकान क्यों छोड़ा है।

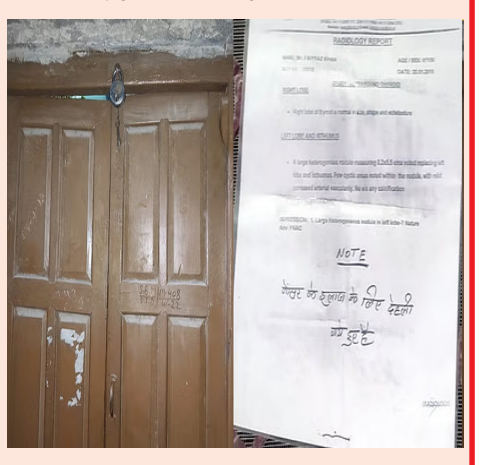

अवैध संपत्ति की जांच मामले में शारिक साटा की पत्नी से पूछताछ -आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की अचानक से बढ़ी संपत्तियों की जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है। यह टीम उन सभी लोगों से पूछताछ करेगी, जिनकी भूमिका अपराध करने में रही है और आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। ऐसे लोगों की पिछले कुछ वर्षों में संपत्ति बढ़ी है। इसका इनपुट पुलिस को मिला है। एएसपी श्रीश्चंद्र का कहना है कि जिनकी संपत्ति अवैध पाई जाएंगी। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।टीम ने अवैध संपत्ति की जांच मामले में शारिक साटा की पत्नी से पूछताछ की। 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल के बाद गठित की गई एसआईटी उपद्रवियों को गिरफ्तार करने के साथ ही संपत्तियों की जांच भी कर रही है। अब एएसपी श्रीश्चंद्र के नेतृत्व में यह जांच बड़े स्तर पर की जा रही है।एएसपी ने बताया कि शारिक साटा की संपत्ति के बारे में जानकारी उसकी पत्नी को बुलाकर की गई है। इसके अलावा पुलिस अन्य माध्यम से भी जानकारी जुटा रही है। जो भी ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति के लोग हैं जिनकी कुछ वर्षों में अचानक से संपत्ति बढ़ गई है या उन्होंने अपने रिश्तेदारों के नाम से संपत्तियां खरीदी हैं। उन सभी की जांच की जाएगी।मंगलवार को नखासा थाने में शारिक साटा की पत्नी को नोटिस देकर पूछताछ के लिए पुलिस ने बुलाया था। इस दौरान पुलिस के अधिकारियों ने पूछताछ की। इसमें पूछा गया कि शारिक साटा कहां है और कब भारत से गया है। उसकी कितनी संपत्तियां हैं। पुलिस को शारिक साटा की पत्नी ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। जिस मकान में शारिक साटा का परिवार रहता है। उसके बारे में बताया है कि वह शारिक साटा की दादी के नाम से दर्ज है। जो पुश्तैनी है। पुलिस अब यह भी छानबीन कर रही है कि कहीं उसने रिश्तेदार या परिचित लोगों के नाम से तो संपत्ति नहीं खरीदी है।आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की संपत्ति की जांच की जानी है। टीम गठित हो गई है और जांच भी की जा रही है। जो भी जांच में सामने आएगा। उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। यह टीम मेरे नेतृत्व में काम कर रही है। श्रीश्चंद्र, एएसपी (उत्तरी), संभल

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नारी तू नारायणी, का सम्मान करने से लक्ष्मी करती है घर में वास -रश्मि पटेल

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।हिंदू जागरण मंच के तत्वाधान में शुक्रवार को नारी सुरक्षा एवं सम्मान का भव्य कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज केसरपुर में आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ सह प्रांत कार्यवाह राजपाल ने दीप प्रज्वलित कर मां शारदे को नमन किया।,कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंचीं जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल , पूर्व ब्लाक प्रमुख देवेंद्र सिंह , हिंदू जागरण मंच के प्रांत सूचना प्रमुख नीतीश कपूर ,नि:शुल्क शिक्षा का स्कूल चलाने वाली बहन ज्योति ठाकुर,क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिकों सम्मिलित हुए।मुख्य वक्ता राजपाल ने नारी सुरक्षा एवं सम्मान के विषय गुड टच -बैड टच एवं सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जानकारी देते हुए संबोधित किया।जिला पंचायत अध्यक्षा रश्मि पटेल ने भी छात्राओं को परिवार के प्रति अच्छा व्यवहार रखने एवं किसी प्रकार की समस्या को माता-पिता एवं शिक्षिकाओं से बताने के आग्रह के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण कई महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की, थाना भुता से महिला कांस्टेबल अंजना ने मिशन शक्ति के बारे बालिकाओं को विस्तार से बताया,कार्यक्रम में हिंदू जागरण मंच के जिला अध्यक्ष अरुण फौजी ,युवा जिला अध्यक्ष हिमांशु पटेल,जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर मनोज ,जिला उपाध्यक्ष हरपाल गंगवार,जिला मंत्री जयदीप पराशरी,जिला संपर्क प्रमुख तुलसी हिंदू , प्रधानाचार्य रामकृष्ण गंगवार, खंड कार्यवाह अरविंद कुमार ,खंड प्रचारक धर्मेंद्र कुमार,हिंदू जागरण मंच रमेश वर्मा, राजीव उर्फ़ लवकुश साहू, महन्त तुलसीदास महाराज, संतोष कश्यप,नागेंद्र गंगवार ,अर्जुन कुर्मी ,शुभम कुर्मी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जल ही जीवन है मिशन ठेकेदारों को नहीं हुआ भुगतान काम ठप, लोग झेल रहे दिक्कतें

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर टंकी से पानी पहुंचना था लेकिन भुगतान का सूखा ऐसा पड़ा कि थमा हुआ काम ही दोबारा शुरू होने में नहीं आ रहा है। पिछले छह महीने में करीब 40 करोड़ रुपये फंसने के बाद ठेकेदार अब भुगतान होने से पहले काम शुरू करने को तैयार नहीं हैं। विभाग ने इस बीच कागज पर ही करीब 80 फीसदा काम पूरा दिखा दिया है लेकिन असलियत यह है कि सैकड़ों गांवों में पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गईं सड़कें जस की तस पड़ी हैं। गांव के लोग लगातार दिक्कतें झेल रहे हैं। हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने का सपना दिखाकर शुरू की गई जल जीवन मिशन योजना में बजट का सूखा पड़ गया है। ठेकेदार काम करने से हाथ खड़े कर चुके हैं। विभागीय अधिकारियों ने भुगतान के लिए शासन को कई पत्र लिखने के बाद चुप्पी साध ली है। कार्यदायी संस्था एनसीसी ठेकेदारों को आश्वासन देकर टाल रही है। ऐसे में ठेकेदारों के साथ उन गांवों के लोग भी फंस गए हैं जिनमें प्रोजेक्ट अधूरा पड़ा है। इन गांवों में घर-घर पानी तो पहुंचा नहीं, ऊपर से सड़कों की हालत और खराब हो गई है। केंद्र सरकार की इस योजना के तहत वर्ष 2022 में जिले के 1806 गांवों में घर-घर नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य तय हुआ था। गांव-गांव पानी की टंकी और ट्यूबवेल बनाने के साथ पाइप लाइन बिछाई जानी थी। प्रोजेक्ट पहले मार्च 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य दिया गया था, फिर शासन ने समयसीमा 31 दिसंबर 2024 तक बढ़ा दी लेकिन काम फिर भी पूरा नहीं हो पाया। सितंबर से भुगतान फंसना शुरू हुआ जो दिसंबर तक 40 करोड़ के पार पहुंच गया। इसके बाद ठेकेदारों ने काम बंद कर दिया। बरेली में जल जीवन मिशन प्रोजेक्ट की कार्यदायी संस्था एनसीसी नाम की फर्म है। भुगतान के लिए ठेकेदार उसी का दरवाजा खटखटा रहे हैं। ठेकेदार संजय अग्रवाल का कहना है कि लाखों का भुगतान फंसने से वह भी बुरी तरह फंस गए हैं। जो बिल पोर्टल पर चढ़ गए हैं, उनका जीएसटी भुगतान करना ही है। कई सप्लायर्स का पैसा फंसा हुआ है जो लगातार तकादा कर रहे हैं। कार्यदायी संस्था लगातार टालमटोल कर रही है। ठेकेदार अनुभव ने बताया कि उनका सात लाख रुपया खर्च हो चुका है। बिल बनाकर भेजे जा चुके हैं। दिवाली तक भुगतान करने की बात कही गई थी, फिर 31 दिसंबर की तारीख बताई गई, अब मार्च में भुगतान की बात कही जा रही है। जो माल खरीदा था, उसके बिल पोर्टल पर अपडेट हो चुके हैं। रिटर्न फाइल करने के लिए जेब से जीएसटी भरनी पड़ी है। ठेकेदारों का भुगतान कार्यदायी संस्था एनसीसी को करना है। करोड़ों के बिल शासन को भेजे जा चुके हैं। पत्राचार भी किया जा रहा है लेकिन ऊपर से पैसा नहीं मिल रहा है। इसी वजह से ठेकेदारों के भुगतान में देरी हो रही है- कुमकुम गंगवार, एक्सईएन जल निगम ग्रामीण

रुहेलखंड विश्वविद्यालय का 50वां स्थापना दिवस आज समारोह में शामिल होंगी राज्यपाल

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के 50वें स्थापना समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शामिल होंगी। शुक्रवार को राजभवन से आयोजन में शामिल होने की संस्तुति मिलने के साथ ही तैयारियों का सिलसिला शुरू हो गया। दूसरी ओर, पुलिस-प्रशासन के अधिकारी भी सुरक्षा संबंधी तैयारियों में जुट गए हैं। रुहेलखंड विश्वविद्यालय की स्थापना 15 फरवरी 1975 को हुई थी। इस वर्ष 50वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का दौर जारी है। स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होने के लिए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को आमंत्रित किया गया था। बीते दिवस दोपहर शामिल होने की सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने आयोजन संबंधी गतिविधियां तेज कर दीं गई हैं। इस आयोजन के दौरान राज्यपाल से नए कोर्स और विश्वविद्यालय के आगामी प्रोजेक्ट का औपचारिक प्रस्तुतीकरण किया जा सकता है। वहीं, 15 फरवरी को अटल सभागार में आयोजित होने वाले समारोह में प्रवेश के लिए कक्ष निर्धारित कर दिए गए हैं। मीडिया सेल की सूचना के अनुसार शिक्षक, कर्मचारी और अन्य आमंत्रित लोगों का प्रवेश गेट नंबर तीन से होगा। अतिविशिष्ट अतिथियों का प्रवेश गेट नंबर एक से होगा।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी द्वारा ज्ञापन शिव साहब के माध्यम से डीआईजी साहब को दिया

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

डीआईजी साहब ने शिव साहब को पहले भारतीय समाज पार्टी के जिला कार्यालय मुरादाबाद पर भेज कर ज्ञापन का सम्मान किया और थाना कटघर के अंतर्गत नशा जुआ सतटा शराब गांजा आदि अवैध कारोबार को रोकने का छ्ह साहब से आश्वासन मिला। प्राइवेट बस स्टैंड द्वारा संचालित बसों को रोकने हेतु ट्रैफिक व्यवस्था बनी रहे। डंपर द्वारा हो रहे दुर्घटना को रोकने हेतु डंपर वाहन स्वामी को डंपर वहां नंबर प्लेट का अनिवार्य होना चाहिए। ताकि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सके। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी द्वारा इन कहे तथ्यों पर अगर प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की या इस ज्ञापन के माध्यम से उक्त कारोबार बंद नहीं किए गए तो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का एक-एक पदाधिकारी एवं एक-एक कार्यकर्ता जुलूस निकाल कर माननीय मुख्यमंत्री जी के समक्ष अपनी बात को रखना की मांग करेंगे। ज्ञापन के दौरान दानिश कुरेशी महानगर अध्यक्ष, अमित चौधरी संगठनमंत्री, प्रमुख महासचिव गौरव कुमार, अनुराग सक्सैना विधि प्रकोष्ठ, सरस्वती राजभर जी, अशोक सैनी जिला सचिव, आकाश कुमार जिला सचिव, प्रिंस सरदार जिला सचिव, मुशीर भाई, मोहम्मद फाद, नरेंद्र, शाहरुख चौधरी, युसूफ, फैसल, हरि सिंह, परवेज आलम, मुशर्रफ, मोहम्मद तसलीम, वासुदेव, सुनील, रामावतार, प्रदीप, चमन, राजेश, एहसान अली, मोहम्मद शमशाद, संजय तुरिया , हिमांशु, राहुल ठाकुर, आशु चौधरी, हर्षगौतम, हैप्पी वाल्मीकि , शानू शर्मा , विजेंद्र सैनी, अमन सैनी, मोनू सैनी, चिंटू सुभाष, हरिद्वारी, सुमित एवं अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।

शिक्षित व सवेन्दनशील होकर संवारे अपना भविष्य: एडीजे

क्यूँ न लिखूँ सच

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुक्रम में मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं के निर्देशानुपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं द्वारा शुक्रवार को विधिक साक्षरता व जागरूकता शिविर का आयोजन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, उझानी नगर, जनपद बदायूं में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारम्भ अपर जिला एव सत्र न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव कुमारी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में विद्यालय की छात्राओं द्वारा नृत्य गायन प्रस्तुत कर उपस्थित मन्चासीन अधिकारीगण का स्वागत किया गया। अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं शिव कुमारी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को अपने वक्तव्य में बताया कि छात्र-छात्राओं को शिक्षित होना चाहिऐ व अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिऐ। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को फेसबुक एवं इन्सटाग्राम आदि सोशल मीडिया साइटों का उपयोग सीमित दायरे में ही करना चाहिए क्योंकि आधुनिक परिवेश में सोशल मीडिया के दुर्पयोग से विभिन्न सायबर अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है तथा इस सोशल मीडिया के माध्यम से अनभिज्ञ बच्चें, अश्लील चलचित्र, छायाचित्र देखकर ब्लैकमेल का शिकार हो जाते है और साथ ही अपना भविष्य खराब कर लेते हैं। इसी क्रम में भारतीय संविधान में वर्णित अनुच्छेद-15 लैंगिक भेदभाव आदि के वारे में विस्तार पूर्वक बताया व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नि:शुल्क विधिक सेवायें प्रदान की जाती है, यदि किसी प्रकार पीड़ित के अधिकारों का उलंघन होता है तो वह अपने शिकायती प्रार्थना-पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं व सम्बन्धित थाना में नि:संकोच केस दर्ज करा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं से आह्वावान किया गया कि अपने आस-पास के परिवेश में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, तथा स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखें इसके अतिरिक्त छात्राओं के खिलाफ अपराध जैसे एसिड हमला, बलात्कार, अपहरण, दहेज उत्पीडन, एवं यौन उत्पीडन के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक बताया इसके अतिरिक्त 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह समझौते के आधार पर आप अपने वादों का निस्तारण करा सकते हैं तथा सूक्ष्म एवं लघु प्रकृति के वादों को सम्बन्धित न्यायालय के निर्देशानुक्रम में जनपद न्यायालय परिसर में मध्यस्थता केन्द्र खुला हुआ है। उक्त मध्यस्थता केन्द्र के सदस्यों/अधिवक्ताओं द्वारा दोनों पक्षों को बिठाकर समझौता कराया जाता है। उक्त कार्यक्रम का संचालन, बेशिक शिक्षा अधिकारी वीरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों बाल विवाह, भ्रूण हत्या आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं का स्टाफ एवं पराविधिक स्वयं सेवकगण व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, उझानी नगर, जनपद बदायूं की प्रभारी वार्डन, पूर्णमा वर्मा, वार्डन, मन्जू रानी, लेखाकार, निकिता कुमारी, सहायक अध्यापक अर्चना कुमारी मिश्रा आदि समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इसके उपरान्त शिविर के अध्यक्ष की अनुमति से उक्त शिविर का समापन किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलवामा हादसे छठी वरसी पर शहीद सैनिकों को याद कर दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में शुक्रवार को आज के ही दिन 14 फरवरी 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 42 जवान शहीद हो गए थे। उन्हें याद किया गया। प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह ने बताया 76वीं बटालियन के जयमाल सिंह, नसीर अहमद, सुखविंदर सिंह, रोहिताश लांबा, तिकल राज,- 45वीं बटालियन के भागीरथ सिंह, बीरेंद्र सिंह, अवधेष कुमार यादव,- 92 वीं बटालियन के जीत राम, अमित कुमार, कुलविंदर सिंह, विजय कुमार मौर्या,- 118वीं बटालियन-महेश कुमार, एनएल गुर्जर एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे एक वाहन को सीआरपीएफ की बस को टक्कर मार दी थी । जिसमें इन वीर सपूतों का बलिदान हुआ था। हम सबको ऐसे वीर सपूतों के बलिदान को कभी भुलाना नहीं चाहिए।हम सब उनको नमन करते हैं।इस दौरान शिक्षक राजपाल सिंह, कुसुम गंगवार रघुवीर सरन, रामसिंह,डॉ सर्वेश कुमार, ब्रजेश शर्मा वरूण वर्मा, लोकेश कुमार,अमरेश कुमार गंगवार, रमेश कुमार, रावेन्द्र प्रताप सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

शॉर्ट सर्किट से आधा दर्जन ग्रामीणों की खेती जलकर राख

क्यूँ न लिखूँ सच -शेर सिंह

भुता-थाना क्षेत्र के गांव सरकंडा में शॉर्ट सर्किट् से उठी अचानक चिंगारी से आधा दर्जन ग्रामीणों की गन्ने की फसल जलकर राख हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से पाया आग पर काबू। दमकल की गाड़ी देर से आने पर ग्रामीणों ने दिखाई नाराजगी। पीड़ित किसान कालीचरण ने बताया लगभग 1-00 बजे शाट सर्किट से उठी चिंगारी से मेरे पांच बीघा खेत में आग लगने से गन्ने की फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। इसके साथ ही आग की चपेट में पास के खेत किसान पोथीराम का ढाई बीघा, किसान रामकुमार ढाई बीघा, कोशले गंगवार का सात बीघा, झाजन लाल का ढाई बीघा व किसान लोचन का दो बीघा मैं खड़ी फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। इधर लगभग 1 घंटे की देरी से आई दमकल की गाड़ी आने से ग्रामीणों में काफी गुस्सा था। अगर दमकल की गाड़ी समय से आ जाती तो किसानों का कुछ नुकसान बच सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से अचानक लगी आग से हुए नुकसान के मुआवजे की मांग की है।भुता। थाना क्षेत्र के गांव सरकंडा में बिजली के तारों से से उठी अचानक चिंगारी से आधा दर्जन ग्रामीणों की गन्ने की फसल जलकर राख हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से पाया आग पर काबू। दमकल की गाड़ी देर से आने पर ग्रामीणों ने दिखाई नाराजगी।

डीएम ने तहसील सदर में किया राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने शुक्रवार को तहसील सदर बदायूं में राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने तीन वर्ष से अधिक पुराने वादों को चिन्हित कर प्राथमिकता पर निस्तारण कराने के लिए कहा। उन्होंने कॉज लिस्ट को प्रदर्शित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि गुण दोष के आधार पर ही वादों का निस्तारण कराया जाए। सरसरी तौर पर व गलत तरीके से खारिज न किया जाए।जिलाधिकारी ने तहसील सदर के राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां नायब तहसीलदार जगत, बिनावर, कादरचौक व उझानी तथा तहसीलदार व तहसीलदार न्यायिक के न्यायालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने 03 वर्ष से अधिक पुराने मामलों को प्राथमिकता पर निस्तारित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि तामिला पर्याप्त रूप से कराया जाए। प्रत्येक दशा में कॉज लिस्ट को प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने कहा कि वादों का निस्तारण गुण दोष के आधार पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद किया जाए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर, उप जिलाधिकारी सदर न्यायिक सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में शूकर पालन का हुआ समापन

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन केन्द्र एवं पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग द्वारा किसानों एवं शूकर पालकों के उद्यमिता विकास हेतु

5 दिवसीय 卐 शूकर पालन卐 कार्यक्रम का आज समापन हो गया ।इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये हुए 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया । समापन अवसर पर बोलते हुए संयुक्त निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ रूपसी तिवारी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन पाँच दिनों में आपने वैज्ञानिक तरीके से शूकर पालन के बारे में जो ज्ञान अर्जित किया है उसका अधिक से अधिक उपयोग शूकर पालन व्यवसाय में करें। उन्होने कहा कि शूकर पालन से संबन्धित जानकारी को अपने साथियों के साथ साझा करें जिससे अधिक से अधिक लोग इस व्यवसाय को अपना सकें। उन्होने इस अवसर पर एबीआई परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. बबलू कुमार तथा शूकर फार्म प्रभारी डा. अमित कुमार तथा इससे जुड़े सभी लोगों को प्रशिक्षण के सफल संचालन हेतु बधाई दी । इस अवसर पर एबीआई परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. बबलू कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की ।उन्होने कहा कि शूकर पालन से संबन्धित आपकी जो भी समस्याएँ होंगी उसको दूर करने के लिए आप संस्थान के संपर्क में रहें।उन्होने कहा कि शूकर उत्पादन के क्षेत्र में कौशल विकास द्वारा आप उद्यमिता विकास कर सकते हैं इसके लिए आप अपने अर्जित ज्ञान का प्रयोग करें तथा आपस में समूह बनाकर चर्चा करें । इस अवसर पर शूकर फार्म प्रभारी डा. अमित कुमार तथा डॉ. मिथलेश कुमार सिंह सहित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन केन्द्र के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

वृद्ध आश्रम से 30 श्रद्धालुओं को प्रयागराज महाकुंभ स्नान हेतु रवाना किया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई जालौन,,समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम से लगभग 30 बुजुर्गों को प्रयागराज

महाकुंभ स्नान के लिए बस द्वारा रवाना किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने बस को हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।वृद्ध आश्रम के बुजुर्ग श्रद्धालु महाकुंभ में पवित्र स्नान करने और धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने के लिए बेहद उत्साहित थे। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने बुजुर्गों का स्वागत करते हुए उन्हें माला पहनाई और उनके मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस यात्रा के दौरान बुजुर्गों के लिए सुरक्षा, चिकित्सा, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा।समाज कल्याण विभाग की ओर से यह पहल बुजुर्गों को धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से की गई है, ताकि वे अपने जीवन के इस पड़ाव पर मानसिक और आत्मिक शांति प्राप्त कर सकें। महाकुंभ का आयोजन बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक यात्रा के रूप में यादगार रहेगा। इस अवसर पर ज्वांइट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल, क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मेला रामनगरिया के सभी पर्व सकुशल सम्पन्न होनें के बाद मेला समापन पर दो चचेरे भाई गंगा नहानें के दौरान अचानक डूब गये

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- मेला रामनगरिया के सभी पर्व

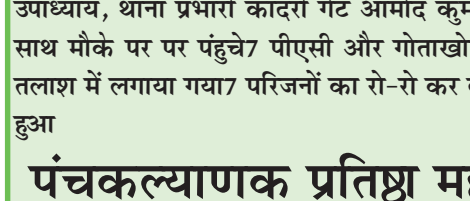

सकुशल सम्पन्न होनें के बाद मेला समापन पर दो चचेरे भाई गंगा नहानें के दौरान अचानक डूब गये7 सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया7 सूचना पर एसपी आलोक प्रियदर्शी मौके पर भारी पुलिस बल के साथ पंहुचे7 उनकी तलाश में पुलिस ने रेस्क्यू शुरू कराया थाना जहानगंज क्षेत्र के ग्राम महमदपुर निवासी 18 वर्षीय विवेक कुशवाह पुत्र अशोक कुशवाह अपने चचेरे भाई 17 वर्षीय मोहित पुत्र संतराम कुशवाह अपने परिजनों के साथ मेला देखने आये थे7 उसी दौरान दोनों परिजनों के साथ गंगा नहानें लगे7 गंगा नहाने के दौरान दोनों युवक डूबनें गये तो विवेक की माँ अन्नपूर्णा बचाने गयीं तो वह भी डूबनें लगीं, उन्हें नाबिकों नें बचा लिया7 लेकिन दोनों चेचेरे भाई डूब गये7 सूचना मिलने पर एसपी आलोक प्रियदर्शी, सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय, थाना प्रभारी कादरी गेट आमोद कुमार पुलिस के साथ मौके पर पर पंहुचे7 पीएसी और गोताखोरों को उनकी तलाश में लगाया गया7 परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ

मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) - स्थानीय सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडी, सरस्वती शिशु मंदिर/ शिशु वाटिका मंडी कोंच मे भारतीय संस्कृति के अनुरूप माता पिता दादा दादी पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमे मुख्य अतिथि के रूप मे झांसी बिभाग

मंडी चौकी प्रभारी नितीश कुमार दरोगा भीष्म रेजा, प्रबंधक डॉ दिलीप अग्रवाल, विद्यार्थी पूर्व प्रधानाचार्य बृजबलभ सिंह सेंगर नगर निरंजन,रामप्रकाश निरंजन पडरी प्रभा नगाइच गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल बगीश्वरी तिवारी प्रेमादेवी गुप्ता प्रधानाचार्या आभा तिवारी को पुष्प अर्पित कर वंदना की साथ ही विद्यालय के अंत मे विद्यालय के समस्त छात्र छात्राओ ने अबसर पर भाजपा नेता बाबुराम पाल प्रदीप बर्मा कुशवाहा आनंद गुप्ता कन्हैया झा प्रभारी नरेंद्र विवेक तिवारी, प्रभा गुप्ता, राजीव राठौर, शिवानी मिश्रा, मनीष अग्रवाल शुर्ति गुप्ता, वंदना अवस्थी, पाण्डेय, सुलभ अग्रवाल ,नरेंद्र सिंह, कृष्णकुमार, संघचालक ओम नारायण मिश्रा थाना प्रभारी अरुण कुमार, राय पाल सिंह यादव दरोगा अशोक बर्मा विद्यालय की उपाध्यक्षा डॉ नीता परिषद नगर अध्यक्ष प्रो महेन्द्रनाथ के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप मे पालिका परिषद अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता की धर्म पत्नी मोंटी गुप्ता शिवप्रसाद भारत विकास परिषद कोंच के अध्यक्षा बब्बू राजा पटेल नरी, मधु साहित्य परिषद के अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्ता ठेकेदार पीएलवी सीता मंचा सीन रही कार्यक्रम के शुभारम्भ मे समस्त अतिथिओ ने माँ सरस्वती की छात्राओ ने स्वागत गीत, पुलवामा हमले पर विचार रखे कार्य क्रम अपने माता पिता, दादा दादी की आरती करके उनका पूजन किया इस सोरभ पुरवार मनीष नगरिया प्रदीप गिरवासिया नीरज खरे ब्रजेंद्र सिंह,पंकज बाजपेई, नीतू गर्ग, सरोज खरे, सरला मिश्रा,शैलेन्द्र सिंह, सिंह आकांक्षा सिंह, ज्योति गुप्ता, रंजना तिवारी, पूजा राठौर, रौली रवि कुमार, दिव्या मिश्रा,राधा दुबे,विनीत खरे, मृदुल दुबे,सतीश आनंद भरजद्वाज, सुनील पाठक, धीरेन्द्र सिंह, मनोज दुबे, अशोक शर्मा, हरि किशोर, रामकुमार, अरविन्द,अंजना,आकांक्षा सरिता, साधना योगेश, अंकित पटेल, मीनू शर्मा चंदा कुशवाहा दीक्षा, सोनम, शुभम, जितेंद्र शाहू सहित पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव शामली धर्मनगर में बड़े धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली शामली धर्म नगरी में आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी

महाराज के सानिध्य में शामली नगर में 10 फरवरी से पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव चल रहा है इसी दौरान आज थाना भवन विधायक श्री अशरफ अली खान महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे जहां इनका जैन समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया और कहा कि हमारा सौभाग्य है जो शामली नगर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मैं आने का सौभाग्य मिला श्री अशरफ अली थाना भवन विधायक उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है जो शामली की जैन समाज ने मुझे पंचकल्याणक महोत्सव में बुलाया

भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की जिला सैनिक बंधु की समस्या को लेकर बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी शामली कर्नल अजय कुमार सिंह (अ0प्रा0) ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद शामली के समस्त भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 20.02.2025 को कलैक्ट्रेट सभागार शामली में पूर्वाह्न 11.30 बजे होगी। जिसमें भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जायेगा। अतः भूतपूर्व सैनिक व उनके आश्रितों की यदि कोई समस्या हो तो वह दिनांक 20.02.2025 को 11.30 बजे तक अपने प्रार्थना पत्र के कलैक्ट्रेट सभागार में उपस्थित होने का कष्ट करें।

राहुल गांधी के बाल काटने वाले सैलून संचालक पर युवक ने ताना तमंचा, फिर भीड़ ने जो किया... नहीं होगा यकीन

रायबरेली में राहुल गांधी के बाल काटने वाले सैलून संचालक पर युवक ने तमंचा तान दिया। मौजूद भीड़ ने इउसे पकड़कर दुकान में बंद कर दिया। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया। यूपी के रायबरेली में शुक्रवार की शाम करीब 4 बजे मामूली बात पर युवक ने सैलून संचालक पर तमंचा तान दिया। इस पर दुकानदार सकपका गया। लेकिन, मौजूद भीड़ ने युवक को पकड़कर उसका तमंचा छीन लिया। उसे दुकान के अंदर बंद करके घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस उसे कोतवाली ले गई। घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। घटना लालगंज कस्बा के बृजेंद्र नगर मोहल्ले की है। पीड़ित मिथुन ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि उसके बगल का दुकानदार धर्मेंद्र मोटर ड्राइविंग का प्रशिक्षण देता है। दोपहर करीब 1 बजे युवक की बाइक और धर्मेंद्र की कार में टक्कर हुई। इसको लेकर उनके बीच विवाद हुआ था। उसकी मौजूदगी में दोनों के बीच सुलह हो गई। तमंचा छीनकर उसे दुकान में बंद कर दिया थोड़ी देर बाद युवक अपने दो अन्य साथियों के साथ उसके सैलून में आ धमका। गाली-गलौज करने लगा। जब तक वह कुछ समझता उसने तमंचा निकालकर तान दिया और धमकी दी। दुकान में दाढ़ी बाल बनवाने के लिए बैठे ग्राहकों ने युवक को पकड़ लिया। उसका तमंचा छीनकर उसे दुकान में बंद कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया- मौके पर पहुंची पुलिस ने तमंचा को कब्जे में लेकर आरोपी को हिरासत में लिया। उसे कोतवाली लेकर पहुंची। वहां उससे पूछताछ की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी युवक से पूछताछ की जा रही है। उसकी पहचान गुरबक्शगंज निवासी शिवांशु गौतम के रूप में हुई है।

ज्वालाजी सिद्ध पीठ के महन्त ने पत्रकार को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली - रिठौरा। ज्वालाजी सिद्ध पीठ भगौतीपुर के महन्त बाल

ब्यास [illegible] जी महाराज ने शुक्रवार को मन्दिर परिसर में पहुंचे पत्रकार पीके गुप्ता,हिन्दु जागरण मंच के रमेश वर्मा, राजीव उर्फ लवकुश साहू, दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज के वरिष्ठ प्रवक्ता राजपाल को महन्त ने सम्मानित कर उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने दीन -दुखियों की सहायता करने में अग्रणी भूमिका निभाने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

थाना क्योलडिया से 1.5 माह पूर्व अपहृत नाबालिग युवती की बरामदगी की मांग को लेकर भीम आर्मी का एसएसपी बरेली को ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच
सत्यम शर्मा

बरेली। भीम आर्मी बरेली मंडल अध्यक्ष विकास बाबू एडवोकेट के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्स्क) बरेली से मुलाकात कर थाना क्योलडिया क्षेत्र से 1.5 माह पूर्व अपहृत नाबालिग युवती को शीघ्र बरामद करने की मांग की। इस दौरान भीम आर्मी जिला अध्यक्ष सुशील कुमार गौतम, जिला उपाध्यक्ष डॉ रूपकिशोर प्रजापति, मीडिया प्रभारी यश राणा और पीड़ित परिवार भी उपस्थित रहा। प्रतिनिधिमंडल ने स्स्क को बताया कि लंबे समय बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक युवती को बरामद नहीं कर पाई है, जिससे पीड़ित परिवार मानसिक तनाव में है। भीम आर्मी ने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही युवती को बरामद नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। स्स्क ने जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने कार्यालय संयुक्त कलेक्ट्रेट का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान ने आज अपने निरीक्षण में कार्यालय संयुक्त कलेक्ट्रेट शामली का निरीक्षण कर विभिन्न पटलों यथा देवी आपदा/ आइजीआरएस/ एलआरसी/डीएलआरसी/ इआरके/राजस्व सहायक/ सामान्य सहायक/ एलबीसी/न्यायिक सहायक/मुख्य राजस्व लेखागार आदि पटलो का निरीक्षण कर अपने-अपने पटलों पर कार्यरत कर्मचारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए

सभी संबंधित को जन समस्याओं से जुड़े प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए ताकि शिकायतकर्ता को कार्यालयों के चक्कर ना लगाने पड़े। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने संबंधित को कड़े निर्देश देते हुए कहां कि आम जनमानस के प्रकरणों में किसी भी स्तर पर पेंडेंसी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने नवसृजित जनपद के जिला मुख्यालय पर विभिन्न कार्यालय के भूमि संबंधी प्रकरणों में भी कार्यवाही के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि दिए गए निर्देशों के अनुपालन में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समस्या है तो उसका समाधान सन्दिग्ध परिस्थिति में पेड़ से लटका मिला युवक शव भी है टीम वर्क के रूप में कार्य करें अधिकारी- डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जिला पंचायत शामली के सभागार में जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज सीएम डैश बोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की विभाग वार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को सीएम डैश बॉर्ड पर दर्शाया गया डाटा के अनुसार लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के निर्देश दिये साथ ही जिन विभागों की प्रगति खराब मिली उन विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए जहां कमी है उसमें सुधार करते हुए प्रगति के निर्देश दिये। ताकि जनपद को उच्च रैंक प्राप्त हो सके।बैठक में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए, जीएम डीआईसी, आबकारी,मंडी आय, गन्ना विभाग, खाद्य विपणन विभाग की संतोष जनक प्रगति न मिलने पर उक्त सभी को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।वही समीक्षा में तहसीलों में धारा 34 और धारा 24 के वादों के निस्तारण में संतोष जनक प्रगति न मिलने पर तहसीलदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में विकास कार्यों कार्यों की समीक्षा करते हुए जल निगम, उद्योग विभाग, वन विभाग, बेसिक शिक्षा,पंचायती राज विभाग,समाज कल्याण, अल्पसंख्यक,पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, लोक निर्माण विभाग,फैमिली आईडी में सभी खंड विकास अधिकारियों के अलावा निर्माण कार्यों में कार्यादायी संस्था यूपी राजकीय निर्माण निगम, पीडब्ल्यूडी भवन खंड की प्रगति खराब पाई गई जिसके लिए सभी को नोटिस जारी करने का निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से क्वालिटी पूर्वक निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि दिए गए निर्देशों के अनुपालन में यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती जाती है तो संबंधित के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, अपर जिलाधिकारी सन्तोष कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार,पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी डॉ हरेंद्र सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी व राजस्व विभाग की बैठक में सभी एसडीएम सहित समस्त संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे

क्यूँ न लिखूँ सच

कुशीनगर - तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के खलवा पट्टी गांव के मीर माइनर नहर के उजारनाथ- गुरवलिया

मार्ग के समीप एक खेत में शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव सिशम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। परिजनों ने हत्या कर शव लटकाने आरोप लगा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा बनवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी। उक्त थाना क्षेत्र के छोटेलाल उर्फ लक्की गिरी (28)पुत्र भवसागर निवासी बेनिभार की शुक्रवार की सुबह मीर माइनर नहर उजारनाथ गुरवलिया मार्ग के समीप खलवापट्टी के एक खेत में पेड़ पर शव लटका मिला। यहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने यह देख पुलिस व परिजनों को सूचना दी। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मय फोर्स के साथ पहुंचकर जांच-पड़ताल की। इधर,मृतक छोटेलाल उर्फ लक्की की माता कमल देवी व भाई ने हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है।पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।दो भाइयों में से दूसरे नंबर के थे।मृतक की माता कमल देवी ने बताया कि एक हप्ते से घर से गायब थे। थाने पर गुमसुदगी दर्ज कराई थी। सुबह शुक्रवार को सूचना मिली कि उसके लड़के का शव एक पेड़ से लटका हुआ है।आनन फानन में घटना स्थल पर पहुची तो अपने बेटा का शव देख सन्न रह गयी। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।अभी कोई तहरीर नही मिली है।

मुजफ्फरनगर और शामली को एनसीआर से हटाओ गाने के दाम बढ़ाओ इकरासन ने लोकसभा में कई मुद्दों पर उठाई अपनी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

नई दिल्ली शामली किरण की सांसद इकरासन ने मुजफ्फरनगर और शामली को एनसीआर की सीमा से बाहर निकलना और गन्ना मूल्य भी तत्काल बढ़कर घोषणा करने की मांग की है लोकसभा में बजट पर चर्चा में शामिल होते हुए एक राशन ने कहा कि मुजफ्फरनगर और शामली को एनसीआर में शामिल करके केवल प्रदूषण विभाग द्वारा इन जिलों की जनता और उद्योगों को केवल उत्पीड़ित किया जाता है प्रदूषण के मध्यकारी नियम लागू है जबकि पा रही है उन्होंने इन दोनों जनपदों को एनसीआर से बाहर मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले साल के मुकाबले गन्ना मिलों पर बकाया गन्ना भुगतान भी अविलंब दिलाया तक किसानों की आय दुगनी कर दी जाएगी जबकि गन्ना मूल्य का भुगतान भी नहीं मिल पा रहा है और नहीं की गई है एक राशन ने कृषि उपकरणों और खाद को हनी ट्रिप में फसाया मेरठ की एस ओ जी बनकर की 27 कहा कि किसान बढ़ती लागत से परेशान है इसके लिए चाहिए किसान और आम आदमी गरीबी और महंगाई लाख किए जाने की बड़ी उपलब्धि बताने पर कटाक्ष की सीमा तक आय अर्जित कर पा रहे हैं केवल दो जीएसटी की ऊंची दरों पर भी सवाल उठाते हुए कहा है जिससे मध्यम वर्ग को बड़ी दिक्कत हो रही है उन्होंने न करने पर भी चिंता जाहिर की उन्होंने विभिन्न व्यवसाय इनका भी आंकड़ा दे कि जो लोगों को प्रशिक्षण दिया नौकरी दी जा रही है इकरा ने उत्तर प्रदेश में केवल 22त्न सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आखिर डिजिटल मेरे कारण क्षेत्र में ही अनेक स्कूल ऐसे हैं जहां शिक्षा नहीं है मदरसा एजुकेशन बजट में 57त्न की कमी करने पर भी सवाल उठाते हुए इकरा ने कहा कि यह किस तरह का कहा कि सबका साथ सबका विकास प्रतीक है शामली में 84 डॉक्टर में केवल 29 डॉक्टर की नियुक्ति होने पर सवाल उठाते हुए इकरा ने कहा कि जिले में केवल एक स्त्री रोग विशेषज्ञ है ऐसे में सबके लिए स्वास्थ्य का सवाल है बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का बजट भी घटा दिया गया है इसलिए यह नारा भी है 100 दिन में मुकाबला केवल 84 दिन का रोजगार मिलने पर उन्होंने सवाल उठाया है एक राशन ने दिल्ली शामली सहारनपुर रेलवे मार्ग का दूरी कारण करने और पानीपत शामली मेरठ मार्ग का सर्वेक्षण तुरंत कराए जाने की मांग की है उन्होंने शामली में जिला अस्पताल का ऊंची कारण करने ट्रामा सेंटर खोलने की और शामली में सहारनपुर में गर्ल्स महाविद्यालय खोलने की मांग की है उन्होंने सांसद निधि पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि विधायक को उत्तर प्रदेश में 5 करोड रुपए दिए जाते हैं जबकि पांच विधानसभा वाले सांसद सदस्य को भी 5 करोड़ मिलते हैं उन्होंने कहा कि या तो इसे बढ़ाकर 25 करोड रुपए किए जाएं सांसद निधि की व्यवस्था को भी खत्म कर दिया जाए उन्होंने एक शेर सुनकर अपना भाषण का समापन किया

एनसीआर की इन दोनों जनपदों को सुविधा नहीं मिल निकालने की मांग की है इकरासन ने गन्ना किसानों का मूल्य और बढ़कर तत्काल घोषित किया जाए और चीनी जाए उन्होंने कहा कि 2016 में कहां गया था कि 2022 2025 तक किसानों की स्थिति बहुत खराब है उन्हें अपना वर्तमान शास्त्र में उनके गन्ना मूल्य की बढ़कर घोषणा जीएसटी से मुक्त करने की मांग की है मुजफ्फरनगर में लाख की वसूली मां बेटी समेत पांच गिरफ्तार उन्होंने तत्काल केंद्र सरकार को कोई विशेष योजना बनानी के बोझ से दबे हुए हैं उन्होंने आयकर की सीमा पर 12 करते हुए कहा कि आखिर कितने लोग हैं जो 12 लाख प्रतिशत लोग ही डायरेक्ट टैक्स दे रहे हैं सपा सांसद ने कि इससे आप जरूर की चीज आवश्यक महंगे हो रही बजट में बेरोजगारी दूर करने के लिए कोई ठोस उपाय का प्रतिशत देने का सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार जा रहा है आखिर उन में भी कितनों को व्यवसाय या

16 फरवरी को कूर्मांचल नगर में मनाया जाएगा बसंतोत्सव-2025

क्यूँ न लिखूँ सच - सत्यम शर्मा

बरेली। अखिल भारतीय उत्तराखण्ड महासभा की बरेली इकाई अपना सत्रहवां बसंतोत्सव-2025 के आयोजन को धूमधाम से भोले नाथ मन्दिर परिसर कूर्मांचल नगर बरेली में 16 फरवरी रविवार को आयोजित करने जा रही है। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र पीढ़ी का परिचय अपनी सांस्कृतिक धरोहरों से कराना है।नई और पुरानी रक्षा करना है।पिछले बसंतोत्सव की तरह इस बार नीलम जेठा महानगर अध्यक्ष भारतीय उत्तराखण्ड महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं उन विभूतियों का नागरिक कहा कि इस बार का आयोजन भव्य रूप में मनाया जा रहा है। महासचिव सम्मान के लिए जयदीप उनियाल,नंदन सिंह बिष्ट,जीत सिंह अधिकारी,उमेश बिष्ट,शिवानी,पंकज खर्कवाल,भरत जोशी को सम्मानित किया राणा ने बताया कि इस बार उत्तराखण्ड गौरव सम्मान वरिष्ठ उत्तराखण्ड लोक कलाकार एवं सिने अभिनेत्री श्वेता महारा को प्रदान किया जायेगा।मीडिया प्रभारी देवेन्द्र रावत ने अवगत कराया कि श्वेता महारा अपने प्रसिद्ध गीतों क्रीम पौडरा,चाहा का होटल,मेरी ढाई हाथ धमेली,हे मधु जैसे सुपरहिट गीतों पर अपनी टीम के साथ प्रदर्शन करेंगी।कार्यक्रम के सांस्कृतिक सह प्रभारी चंद्र प्रकाश जोशी ने कहा कि जगदीश आर्या,पूरन सिंह दानू,आनंद रोधियाल आदि प्रसिद्ध गायकों की प्रस्तुतियां होंगी।कार्यक्रम उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम सह संयोजिका सोमा परिहार व भावना राणा ने बताया कि स्थानीय टीमें भी अपना दमदार प्रदर्शन करेंगी।वरिष्ठ उपाध्यक्ष और स्मारिका संपादक गोपाल सिंह मेहरा ने अवगत कराया कि इस बार आकर्षक लेखन सामग्री से भरपूर स्मारिका का विमोचन किया जायेगा। इस अवसर पर अभिनीत सिंह नेगी,कुंवर सिंह बिष्ट,नंदिनी अधिकारी,संगीता घिल्डियाल,सुधा रावत,बसंत डालाकोटी,जीत सिंह अधिकारी,सतीश नैथानी,सुनील चौहान,हेमंत डिमरी,जीत सिंह बजेठा, आनंद मणि रतूड़ी,एन.सी. बिष्ट,रमेश पाण्डे,नरेन्द्र अधिकारी,उमेश बिनवाल,प्रवीण नेगी,अशोक उप्रेती, भुवनेश घिल्डियाल,अभिषेक असगोला,सुरेन्द्र रावत,पंचम सिंह बोनाल,नंदन बिष्ट,मोहन सिंह रावत, तारा पाण्डेय,मंशा मिश्रा,संदीप नेगी,प्रमोद नेगी,महेशानंद सती,महेश पाण्डेय,खेम सिंह,टेक सिंह नेगी,माइकल,कैलाश घिल्डियाल,पुष्कर बोहरा,गोपाल राणा,पंकज जोशी,महेश घिल्डियाल आदि उपस्थित रहे।

प्रसाद घिल्डियाल ने बताया कि हमारी संस्था का मूल उद्देश्य नई पीढ़ी के आपसी तालमेल बैठाने के साथ सांस्कृतिक धरोहरों की भाजपा महिला मोर्चा बरेली और भवान सिंह रावत जो अखिल अभिनंदन किया जायेगा।संस्था के अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह दियोलियाने चंदन सिंह नेगी ने अवगत कराया कि स्वाबलंबी उत्तराखंडी उद्यमी खोलिया,कुलदीप सिंह नेगी,प्रवीण सिंह राणा,विनोद सिंह जायेगा।कार्यक्रम संयोजक और अतिरिक्त महासचिव पुष्कर सिंह साहित्यकार,रंगकर्मी और सिने अभिनेता अनिल घिल्डियाल और

संक्षिप्त समाचार

दुकान से जंगल की लकड़ी बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- वनक्षेत्राधिकारी राम मिलन ने हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के मनवरिया दीवान गांव में एक फर्नीचर दुकान पर वनकर्मियों के साथ छापेमारी की। दुकान पर कुछ चिरान और बोटा जंगल के बेशकीमती लकड़ी बरामद की। बरामद की गई लकड़ी को लदवा कर वनचौकी औसानकुंडी पर रखवा दिया। इसके साथ ही दुकानदार के खिलाफ मामला दर्ज करने की तहरीर दी। वन विभाग की छापेमारी से क्षेत्र में फर्नीचर के दुकानदारों में हड़कंप मच गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत एवं यातायात सुरक्षा अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी यातायात - सन्तोष कुमार

के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात मो0 शमीम मय टीम द्वारा आम जनमानस को राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान दिनांक 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में लाउड हेलर के माध्यम से जानकारी दी गई तथा आमजन को अपने लंबित वादों व चालानों के निस्तारण हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही, यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क नियमों का करें सम्मान, सुरक्षित होगा हर इंसान अभियान के तहत मिर्जापुर चौराहे पर आमजन को गुड सेमेरिटन, हिट एंड रन आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई प्रभारी यातायात द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे सडक पर घायल व्यक्तियों की सहायता अवश्य करें। इस अवसर पर पहले हेलमेट, बाद में चाबी स्लोगन युक्त रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप वाहनों पर चस्पा कराते हुए सभी को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही, यातायात संबंधी पंपलेट्स का वितरण कर जनजागरूकता को बढ़ावा दिया गया।

स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत सफाई मित्रों का प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती- नगर पंचायत इकौना कार्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के मानक बिंदुओं पर सफाई मित्रों का क्षमता वर्धन जिला कार्यक्रम प्रबंधक अमित गुप्ता की ओर से किया गया। अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य इकौना शहर मे साफ सफाई और कचरा प्रबंधन में गुणात्मक सुधार करना है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि जन आंदोलन के माध्यम से स्थानीय जनों को मिशन से जोड़ा जाए। उक्त कार्यक्रम में सहयोगी संस्था ग्रीन फ्यूचर से अवधेश सिंह, कोर टीम से रितेश, प्रशांत, महात्मा राम, सुनील राजभर, धर्मेंद्र यादव सफाई नायक रमेश सहित सभी सफाई मित्र मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया बाबा अमीर अली शाह का उर्स

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- विकास क्षेत्र जमुनहा अंर्तगत ग्राम पंचायत इमलिया करनपुर के बड़का करनपुर समीप स्थित बाबा अमीर अली शाह की दरगाह पर सालाना उर्स बड़े धूमधाम से मनाया गया। अकीदतमंदों ने दरगाह पर चादर चढ़ई। उसके बाद

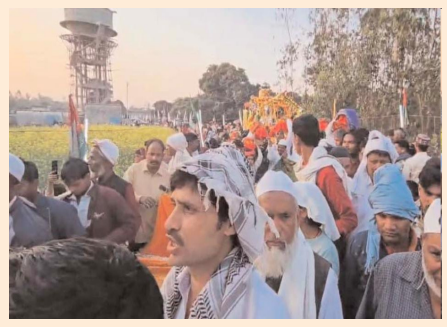

जवाबी कव्वाली का आयोजन किया गया। कड़े मुकाबले में सैदपुर बदायूं के आसिफ साबरी ने मुकाबला जीता। शाम चादर व गागर के साथ अकीदतमंदों ने दरगाह पर पहुँच कर चादर पेश कर अमन व शांति की दुआएं और मन्नतें मांगी। इस मेले मे सुरुक्षा व्यवस्था मे पुलिस जवान डटे रहे। मेला कमेटी के अध्यक्ष मंजूर खान ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी दो दिवसीय उर्स का भव्य आयोजन किया गया। जिसमे पहले दिन कुरान ख्वानी के बाद लंगर का इंतजाम किया गया था। जो सुबह से लेकर देर शाम तक चला, और दूसरे दिन भव्य मेले का आयोजन हुआ जिसमे देर शाम को कमेटी के उपाध्याय हजरत अली सहित अन्य सदस्यों की निगरानी मे चादर और गागर का जुलूस गाँव निकलकर दरगाह पर पहुँचा जहाँ पर चादरपोशी कर दुआएं मांगी गई।

The habit of eating hot food is not good, you will be surprised to know the harm it is causing to health

Eating too hot food kills your appetite. At the same time, many times it also has a bad effect on your kidneys. In such a situation, if you have a habit of eating too hot food, then you should avoid this habit. Because it is causing many damages to your body. Your health is also being greatly affected by this. Not having the habit of eating hot food is a common thing for many people, but this habit can cause many health problems. Today we are telling you some disadvantages here that you can have by eating hot food. Often many people eat food very fast. They eat food so fast that they even eat hot food. But after hot food goes into your stomach, it harms you instead of benefiting you. Therefore, one should avoid eating hot food. 1. Digestive problems Hot food starts weakening the digestive system. Eating too hot food also affects your throat and kidneys. Eating too much hot food can cause digestive problems such as - indigestion - gas - stomach ache - diarrhea or constipation Loss of appetite Eating hot food completely eliminates appetite. Your appetite ends without filling your stomach. This causes a lot of harm to health. At the same time, eating hot food also causes the problem of loss of appetite. Due to which there is a possibility of weight loss and weakness in the body. Lack of vitamins and minerals By eating hot food, you do not get vitamins and minerals properly. Which are necessary for the body. By eating hot food, there is a deficiency of vitamins and minerals in the body. Due to which many problems can occur in the body. One should avoid eating food after heating it too much. Weakness of the immune system Hot food gradually weakens the immune system. Not eating hot food weakens the immune system, which increases the risk of diseases in the body. Effect on mental health Eating hot food also starts affecting mental health. Eating hot food can have a negative effect on mental health. These include stress, anxiety and depression. Some tips to avoid these harms - Do not make a habit of eating hot food. - Take probiotics to strengthen the digestive system. - Take supplements to meet the deficiency of vitamins and minerals. - Exercise regularly and eat a healthy diet to strengthen the immune system.

Do not ignore neck pain, if you start getting these signs then immediately make an appointment with the doctor

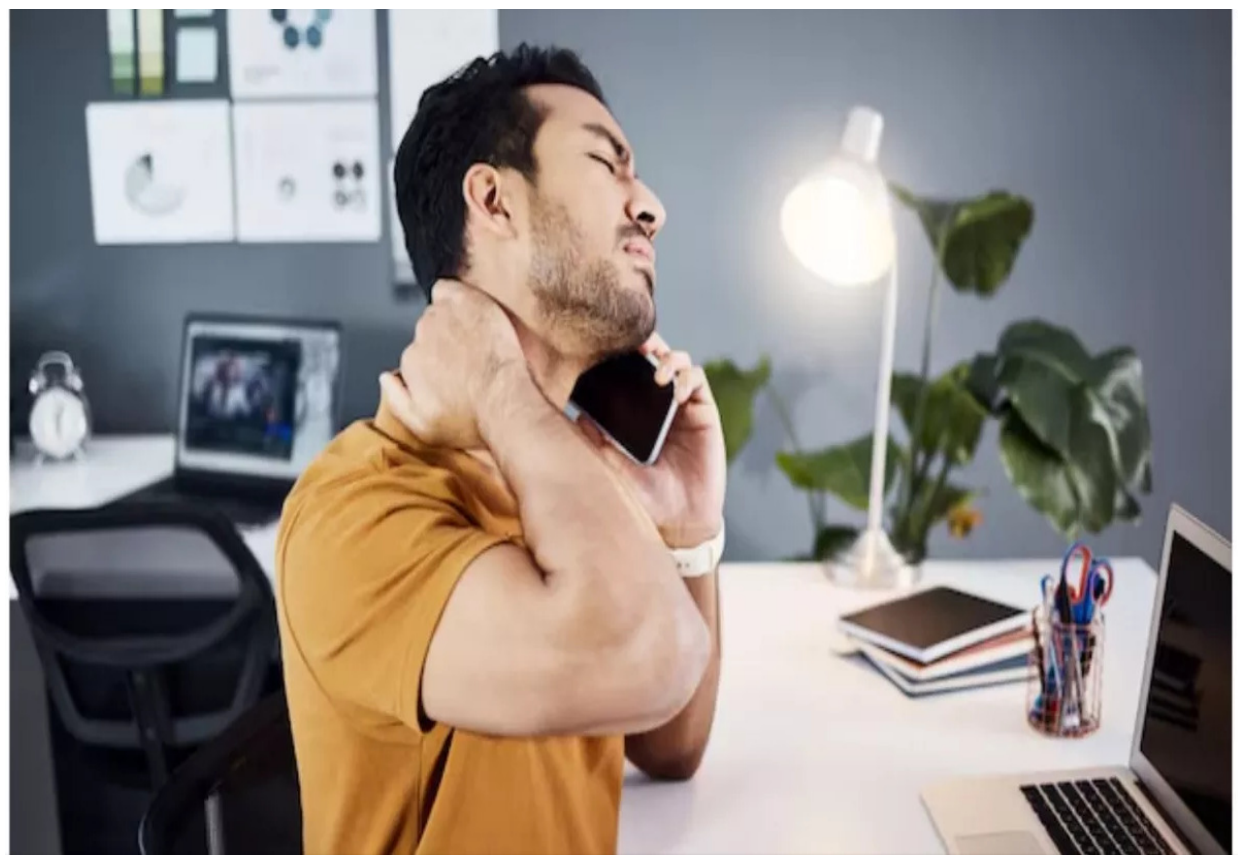

You should never ignore neck pain. It can prove to be very harmful for you in the future. Therefore, you should always make an appointment with a doctor when neck pain starts. (Neck Pain Treatment) You should also do regular exercise to remove neck stiffness. Exercise removes stiffness of your neck. Neck pain is a common problem, but it can sometimes be a sign of serious health problems. If you are having neck pain, then you should not ignore it at all. Many times you ignore neck pain, this can be very harmful for your health. Therefore, whenever you start having neck pain, you should make an appointment with a doctor at the earliest. 1. Severe pain: If you are having severe pain in the neck which is causing you trouble in sleeping or working, then this can be a serious problem. Sometimes very severe pain can become a matter of concern for you in the future. In such a situation, severe pain should never be ignored. 2. Numbness or tingling with pain: If you are experiencing numbness or tingling with neck pain, it could be a sign of a serious problem. Many times when you work continuously sitting for hours, this pain occurs. In such a situation, you should not ignore this pain. 3. Stiffness in the neck: If you are experiencing stiffness or tightness in the neck, it could be a sign of a serious problem. Therefore, you should also do regular exercise to relieve neck stiffness. Exercise relieves stiffness of your neck. 4. Migraine may occur: If you are also having headache along with neck pain, then it could also be migraine. In such a situation, it is important that you go to the doctor immediately to tell about this problem to deal with the problem of migraine. Along with this, if you are experiencing pain in the arms or legs along with neck pain, it could be a sign of a serious problem. Do not ignore these signs and make an appointment with a doctor immediately. The doctor can give you proper treatment and advice and help you get rid of neck pain.

Drinking tea by adding a pinch of salt gives amazing benefits, but not everyone knows the right way

Most people start their day with a cup of tea, but have you ever tried adding a pinch of salt to your tea? Probably not! But let us tell you that this simple change has many benefits (Salt Tea Benefits) which you may be unaware of. Let us tell you in detail in this article what can happen by drinking tea by adding salt. Everyone knows how to add sugar to tea. Very few people drink tea by adding salt to it. Salt tea has many benefits. Tea is one of the most famous drinks in the world including India. It is not only a great way to start the morning, but also gives energy and freshness to the body. There are many types of tea, such as milk tea, black tea, green tea, herbal tea, and lemon tea. But have you ever heard about the benefits of drinking tea by adding a pinch of salt to it (Tea With Salt Benefits)? Yes, this is such a unique method, which not only enhances the taste of tea, but also provides many health benefits. But, it is very important to know its right method and right quantity, otherwise it can also be harmful. Let's understand about it in detail. Benefits of adding salt to tea Strengthens the digestive system Drinking tea mixed with salt strengthens the digestive system. The sodium present in salt activates the digestive enzymes of the body, due to which food is easily digested. It also reduces the problem of acidity and gas. Balance of electrolytes in the body - Salt helps in maintaining the balance of electrolytes in the body. When you add a pinch of salt to tea, it helps in keeping the body hydrated and removes fatigue. Control blood pressure Consuming the right amount of salt can help in controlling blood pressure. However, excessive salt intake can be harmful, so only a pinch of salt should be added to tea. Relief from stress and anxiety - The minerals present in salt help in reducing stress and anxiety. It is helpful in calming the body and relieving mental fatigue. Beneficial for oral health- Salt has antibacterial properties, which help in eliminating bacteria in the mouth. Drinking tea mixed with salt removes the problem of bad breath and infection. Detoxifies the body- Salt helps in removing toxins from the body. Drinking tea mixed with salt cleanses the body and is also beneficial for the liver and kidneys. Relief from cold and cough- Drinking tea mixed with salt during cold and cough provides relief from sore throat and blocked nose. Salt helps in reducing throat infection. Correct way to add salt to tea The benefits of adding salt to tea are available only when it is used correctly and in the right quantity. Excessive salt intake can be harmful to health, so it should be used carefully. Let's know how. Keep in mind the quantity- Only a pinch of salt should be added to tea. About 1/8 teaspoon of salt is enough for a cup of tea. Adding more salt can spoil the taste of tea and it can also be harmful to health. Add salt while making tea- While making tea, add salt only when the water is hot. This will dissolve the salt well and the taste of tea will be better. If you are making tea with milk, then add salt before adding milk. Add salt to plain tea- The taste of salty tea is better in plain tea (without milk). If you like to drink tea with milk, then keep the amount of salt a little less. Use quality salt- Use plain salt or rock salt to mix in tea. Avoid using processed salt or table salt, as it contains chemicals, which can be harmful to health. Precautions- If you have a problem of high blood pressure, then consult a doctor before adding salt to tea. Consuming more salt can cause dehydration, kidney problems and bone weakness. If you do not like the taste of drinking tea mixed with salt, then do not force it.

'Strange but...', Vicky Kaushal describes wife Katrina Kaif in just two words, video goes viral

In Valentine's Week, Vicky Kaushal has described his wife Katrina Kaif, that too in two words. This couple, who keeps their personal life away from the limelight, has come into the limelight due to their latest video. After getting free from the promotion of Chhaava, Vicky has spent

quality time with wife Katrina. Katrina-Vicky got married in 2021 The couple was dating for about two years - Vicky will be seen in the role of Sambhaji in Chhaava Bollywood couples are also looking for an excuse to make their partners feel special. In such a situation, how can Vicky Kaushal stay behind. He has told interesting things about his lady love Katrina Kaif, hearing which the actress herself laughed. Katrina Kaif and Vicky Kaushal got married in the year 2021. Before marriage, the couple kept their relationship secret for about 2 years, but for some reason there were talks of both of them dating. Now that both are living a married life, they do not shy away from expressing their love on social media or publicly. Vicky described his wife - Katrina and Vicky often make Vikat (Vicky-Katrina got a nickname from fans) happy by posting something on social media. Recently, in Valentine's Week, Katrina Kaif has shared a cute video of husband Vicky, in which the actor is seen describing his wife. Katrina Kaif has shared a video of husband Vicky in the Instagram story. In the clip, it can be seen that the Chhava actor sitting in the balcony of the house first smiles and then says about his wife, "You are a strange but true creature." During this, the actor is seen in a black shirt. While posting the video, Katrina wrote in the caption - My dear husband described me. Vicky Kaushal's upcoming film These days Vicky Kaushal is in the news for his upcoming film Chhava. This film is releasing in theaters on 14 February. In such a situation, the actor is leaving no stone unturned in the promotion of the film. He is sometimes promoting the film in Bihar and sometimes in Amritsar. Vicky Kaushal has played the role of Chhatrapati Sambhaji Maharaj in Chhava. Opposite him is Rashmika Mandana in the lead role, who will be seen in the role of Yesubai. Akshay Khanna, Ashutosh Rana and Divya Dutta also have important roles in this film. The film is directed by Laxman Utekar.

It's not time to go to theaters! Watch Sanam Teri Kasam here for free on OTT

Sanam Teri Kasam OTT At this time, Harshvardhan Rane and Mawra Hocane's romantic film Sanam Teri Kasam is making a splash from theaters to the box office on the basis of re-release. This movie has won the hearts of fans in Valentine's Week. If you also want to watch

Sanam Teri Kasam, then you can enjoy it for free on this OTT platform. Sanam Teri Kasam in discussion about re-release, romantic film is making a splash at the box office - available here for free on OTT platform At present, if any film is being discussed in full swing, then it is Harshvardhan Rane and Pakistani actress Mawra Hocane's romantic film Sanam Teri Kasam. Recently, keeping in mind Valentine's Week, this movie has been re-released in theaters. Sanam Teri Kasam is moving ahead with a bang collection in the re-release at the box office. Meanwhile, if you also want to watch this movie and you do not have time to reach the theaters, then we have brought useful news for you. Through which we will tell you on which OTT platform you can watch Sanam Teri Kasam (Sanam Teri Kasam OTT Release) for free. Where to watch Sanam Teri Kasam on OTT - Although the OTT rights of Sanam Teri Kasam are with the famous digital platform Amazon Prime Video. But now that the film has been re-released on the big screen, on that basis it has been removed from Prime Video for some time. But you can still watch Sanam Teri Kasam online for free. Actually Jio Cinema is the OTT platform on which Harshvardhan Rane's Sanam Teri Kasam is available for free. In such a situation, if you are also planning to watch a romantic movie with your partner in Valentine's week, then there will be no better option for you than Sanam Teri Kasam. You can enjoy this wonderful romantic movie sitting at home on Jio Cinema. Let us tell you that Sanam Teri Kasam released in 2016 was a flop at the box office. But in the re-release, this movie has turned the story around and surprised everyone by making a bang collection. Sanam Teri Kasam will have a sequel - Of course, at that time Sanam Teri Kasam could not show anything special commercially. But on the basis of the story, the fans liked this movie a lot. Before the re-release, the makers had officially announced the sequel of this film. Now when Sanam Teri Kasam is getting bumper success at the box office in the re-release, then surely the sequel of this film can come soon. Harshvardhan Rane will be the lead actor in Part 2, while the suspense about the actress still remains.

Junaid makes you laugh along with teaching - Khushi's Loveyapa, why is it necessary for Gen-Z to watch?

In the era of remakes of South Indian films, now the Tamil film Love Today, released in the year 2022, has also been remade in Hindi. Aamir Khan's son Junaid Khan, who started his acting innings from the digital platform, and Boney Kapoor and Sridevi's daughter Khushi Kapoor are making their big screen debut with the film 'Loveyapa'.What is the story of the film 'Loveyapa'? The story is of two youths living in Delhi, Gaurav aka Babbu aka Gucci (Junaid Khan) and Bani (Khushi Kapoor) who are in love with each other. They trust each other blindly. One day when Bani's father comes to know about their love, he calls Gaurav home and puts a condition for marriage. He tells both of them that Gaurav and Bani will have to exchange their phones for 24 hours. After that, if everything goes well between the two, then they will get married. In these 24 hours, both of them start revealing secrets that they did not know about each other. Youths can connect themselves with every issue shown in Loveyaapa. The title, background, actors, director of the film may have changed, but the story is similar to Love Today scene by scene. Despite that, Loveyaapa does not bore. The Hindi version of the Tamil film is not available, so Loveyaapa seems to be a perfect Hindi remake of it. There is a dialogue in the film that the pulse of your generation is connected with the phone, this reality has been shown in a funny way in the film. The dependence of the young generation on the phone while sleeping, eating, waking up, sitting, trust breaking due to the phone, casual chatting on it turning into a mess, body shaming, society's different view on the marriage of a boy and a girl despite being of the same age, many such issues have been included in the story, which go along with the story. However, the film goes by superficially touching the sensitive issue of deepfake videos, which have been in the news the most in the recent days and have become a cause of trouble for many artists. The arrest of the maker of the deepfake video was shown, but neither does the film give any solution to it, nor does it go into its depth. Since the film is a remake, Advait has made it exactly the same way, whereas he could have added some new things, just like he added in the remake of the American film Forest Gump, Laal Singh Chaddha. Advait Chandan, who has directed the films Secret Superstar and Laal Singh Chaddha, has said that he has no problem with the tag of a remake director, he just wants to make good films. With this thinking, his grip on direction is strong. He has caught the pulse of the youth. He has been able to get better work out of both the new actors. In this, he has got good support from cinematographer Rajesh Nare. Many dialogues like phones are changed every two years, not relationships, have been written by Sneha Desai, which also gives a message to the youth stuck in things like situationship, benching. Apart from the song Loveyaapa Ho Gaya..., no other song is remembered when one comes out of the theatre. Were Khushi-Junaid able to prove their acting talent? On the digital platform, both Junaid and Khushi started their acting innings with period drama films. Now in this film, they have got to play the role of today's youth, in such a situation they look even more comfortable. Especially Junaid surprises with his acting. He may not be very good at dancing, but he looks like a commercial hero in romantic scenes, emotional and angry scenes. At many places, there is a glimpse of Aamir Khan in him. Khushi Kapoor, who debuted with the film The Archies, proves that like her sister Janhvi Kapoor, she will also make her own way. However, she needs to work more on her dialogue delivery. Kiku Sharda has not only got a good space in the film, but apart from comedy, he has also got a chance to do some serious scenes. Grusha Kapoor and Ashutosh Rana are the strongest links of this film, who have done a great job in their roles. Khushi and Junaid Khan's film Loveyapa (Loveyapa Review), who were busy promoting their film Loveyapa for a long time, has finally hit the theaters on 7 February. This film will tell you every detail about why there are ups and downs in the life of Gen-Z, why they are not able to trust anyone.